RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर



"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 267 , गुरुवार, 12 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



आपदा प्रबंधन का पुलिसकर्मियों, चौकीदारों व गृह रक्षकों को प्रशिक्षण... 03



वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सुगौली चीनी मिल का पेराई सत्र 2026-27 शुरू, हुआ डोंगा पूजन... 04

रश्मिका मंदाना और विजय की आलोचना करने वालों पर भड़के... 07

संक्षिप्त समाचार

फेस्टिव सीजन खत्म अब यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाईदूज के त्योहार के साथ ही फेस्टिव सीजन खत्म हो गया है। अब सबकी नजरें यूपीआई के नए नियमों पर हैं। कल से दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई के जरिए लेने पर 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी चार्ज देना पड़ सकता है। पहले एनपीसीआई इन नए चार्जेस को 15 अक्टूबर से लागू करने वाला था, लेकिन त्योहारों के कारण इसे टाल दिया गया था। एनपीसीआई ने कहा था कि इसे दिवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, हालांकि तारीख अभी तक नहीं बताई



गई है। सरकार के यूपीआई प्रपोजल की 3 बड़ी बातें अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4 फीसदी का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम 300 का फ्लैट चार्ज लागू होगा। अगर ग्राहक रेलवे, टेलीकॉम, इंश्योरेंस या फ्यूल पर 2,000 से ज्यादा का पेमेंट करता है, तो प्रति ट्रांजेक्शन 5 का फ्लैट चार्ज लगेगा। दीवाली के दौरान देश भर के बाजारों में कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, गहने और सामानों की भारी बिक्री होती है। ऐसे में डिजिटल पेमेंट बढ़ जाता है।

अरे प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा काहे चिंता कर रहे

लखनऊ (एजेंसी)। अगर पब्लिक एक दिन आतिशबाजी कर ले तो प्रदूषण हो गया। अरे हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा...। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये बातें बुधवार को लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। सीएम योगी ने इस दौरान राजस्व विभाग के लिए चुने गए 1146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि का भी वितरण किया। कार्यक्रम में सीएम योगी ने दीपावली पर पटाखे जलाने के मुद्दे पर भी अपने अंदाज में जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा, साल 2017 से पहले कोई भी त्योहार आता था, चाहे होली हो, दीपावली हो, विजयादशमी हो, जन्माष्टमी हो, शिवरात्रि हो, क्रिसमस हो, ईद हो, गुरु पर्व हो या मकर संक्रांति, हर त्योहार से पहले दंगे शुरू हो जाते थे। पीएसी बल दंगाइयों का काल था, लेकिन समाजवादी पार्टी की सरकार ने यूपी पीएसी की 34 कंपनियां भी समाप्त कर दी। महीनों-महीनों तक कर्फ्यू लगे रहते थे, लेकिन अब आपने देखा होगा कि धनतेरस के दिन पूरी मार्केट में चहल-पहल थी। अयोध्या का दीपोत्सव शानदार रहा। अपने भाषण में सीएम योगी ने आगे कहा, आप सभी ने दीपावली मनाई और कुछ लोग कह रहे हैं कि पटाखे जलाने से प्रदूषण हो गया। अरे प्रदूषण हुआ है तो समाप्त भी हो जाएगा।



10 महीने में 16 फीसदी गिरा बाजार, महीने भर में रिकवरी

- सेंसेक्स 400 अंक चढ़कर 81,500 पर, निफ्टी में 100 अंक की तेजी

मुंबई (एजेंसी)। शेयर बाजार में सेंसेक्स बुधवार को 400 अंक चढ़कर 81,500 के पार पहुंच गया। यानी, इसमें 0.5 फीसदी की बढ़त है और इससे निवेशकों की दौलत 6 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। इधर, निफ्टी 100 अंक की तेजी के साथ 25,130 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसमें 0.34 फीसदी की तेजी है। आज बैंकिंग और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त है। 1 जनवरी 2026 को सेंसेक्स 85,188 के स्तर पर था। इसके बाद बाजार में गिरावट का सिलसिला शुरू हुआ और 1 अक्टूबर को सेंसेक्स 71,292 के इस साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस दौरान बाजार 16 फीसदी या 13,896 अंक टूटा। 1 अक्टूबर को 71,292 का निचला स्तर छूने के बाद बाजार में तेजी आई। बीते एक महीने में सेंसेक्स 15 फीसदी या 11,228 अंक बढ़कर 82,520 के स्तर पर पहुंच गया है, जिससे पिछले 10 महीनों में हुई गिरावट की लगभग भरपाई हो गई है।



शेयर बाजार में तेजी की तीन बड़ी वजह

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट : अमेरिका ने कहा है कि वो ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा, जिससे मिडिल ईस्ट से तेल की सप्लाई रुकने या प्रभावित होने का डर कम हो गया है। इस खबर के बाद ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें घटकर दो महीने के निचले स्तर यानी 89.16 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं।

25 बड़े प्रोजेक्ट में देरी 2 लाख करोड़ खर्च बढ़ा

- इतने में 4200 स्कूल बनते 1400 से ज्यादा अस्पताल
- केंद्र सरकार के पैमाना पोर्टल की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की बड़ी परियोजनाओं में देरी अब सरकारी खजाने पर भारी पड़ रही है। केंद्र सरकार के पैमाना पोर्टल की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, 1,853 चालू परियोजनाओं की लागत 3.22 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित 25 मेगा परियोजनाओं का बजट ही 2.11 लाख करोड़ रुपए बढ़ चुका है। यह कुल लागत-वृद्धि का करीब 65 फीसदी हिस्सा है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे 50 करोड़ की लागत वाले 4,200 से अधिक स्कूल या 150 करोड़ रुपए वाले 1,400 से ज्यादा अस्पताल बनाए जा सकते थे। इससे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे दो प्रोजेक्ट भी तैयार हो सकते थे।



कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन 30 साल पीछे

समय-सीमा के मामले में भी स्थिति चिंताजनक है। कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन इसमें सबसे ऊपर है। इसे मार्च 2005 तक पूरा करना था, लेकिन अब इसका लक्ष्य मार्च 2030 कर दिया गया है यानी परियोजना 25 साल पीछे चली गई है। इसके बाद सुबनसिरी और तपोवन-विष्णुगढ़ जैसी जलविद्युत परियोजनाएं हैं, जिनकी समय-सीमा में 16 साल से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

सरकार बदलने से प्राथमिकता बदलती है, फंड में देरी होती है

पीडब्ल्यूडी के पूर्व प्रमुख हरिओम शर्मा के मुताबिक, कई बार लंबे प्रोजेक्ट के दौरान सरकार बदलने से जब नई सरकार की प्राथमिकता बदल जाती है तो फंड जारी होने में दिक्कतें भी आती हैं, उससे प्रोजेक्ट और डिले होते हैं लेकिन अब ऐसे उदाहरण चुनिंदा ही हैं। कुछ मेगा प्रोजेक्ट्स प्रशासनिक और नीतिगत बाधाओं के कारण अटके हैं। अब देश में इंफ्रा प्रोजेक्ट्स दो चरणों में होते हैं। पहले चरण में जमीन अधिग्रहण, पर्यावरण और वन मंजूरियां ली जाती हैं, जबकि दूसरे चरण में निर्माण कार्य शुरू होता है। 2013 के कानून से उचित मुआवजा मिलने के कारण विरोध कम हुआ है। टेंडर में प्रतिस्पर्धा के कारण कई प्रोजेक्ट्स तय बजट से 10-15 फीसदी कम लागत में बन रहे हैं। आने वाले समय में बहुस्तरीय निगरानी की वजह से देरी और लागत बढ़ने की समस्या तेजी से कम होगी।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमला

- तीन जवान गंभीर रूप से घायल, इलाके की सुरक्षा की गई सख्त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी। घटना करीब 2.15 बजे की है। इसमें तीन जवान घायल हो गए। उन्हें अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायरिंग के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में जुटे हैं। हालांकि किसी आतंकी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह हमला



लश्कर ए तैयबा का हिट स्क्वाड कहे जाने वाले द रजिस्टेंस फ्रंट टीआरएफ के आतंकी लतीफ बट के माडयूल ने किया है। जानकारी के अनुसार, कुलगाम के आखरन नौपुरा में बुधवार की दोपहर को आतंकियों ने सीआरपीएफ 46वीं वाहिनी के जवानों ने एक नाका लगाया हुआ था। नाका पार्टी वहां से गुजरने वाले वाहनों व लोगों की जांच पड़ताल कर रही थी। लगभग सवा दो बजे के करीब मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक नाके पास पहुंचे और उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग की।

एक जवान की टांग, दूसरे के बाजू और तीसरे की पीठ में लगी गोली

हमले की सूचना मिलते ही निकटवर्ती शिविरों से सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियां भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने उसी समय पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए घायल जवानों को उपचार के लिए निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी पहचान हैड कांस्टेबल सोमवीर, कांस्टेबल शांतुनु और कास्टेबल राकेश दास के रूप में हुई है। डाक्टरों के अनुसार, एक जवान की टांग में, एक अन्य के बाजू में और एक की पीठ में गोली लगी है। इस बीच, सुरक्षाबलों ने घटनास्थल के आस पास के सभी इलाकों में तलाशी अभियान चलाया है। घटनास्थल के आस पास उपलब्ध सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की जा रही है। सीआरपीएफ, पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

अब एनएसजी कमांडो की बदलेगी यूनिफॉर्म

44 डिग्री तापमान में जवान के बेहोश होने के बाद फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे।



रिटायर्ड अफसरों पर भी लागू होगी आचार संहिता

- 5 राज्यों में चुनाव से पहले चुनाव आयोग का फैसला
- कैंपेनिंग से दूर रहना होगा, कहीं पर मीटिंग भी नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने आचार संहिता को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत आचार संहिता सिर्फ मौजूदा सरकारी कर्मचारियों पर ही नहीं, बल्कि रिटायर होकर फिर से सरकार के लिए काम कर रहे अफसरों और लोगों पर भी लागू होगी। आयोग ने यह फैसला कुछ लोगों पर सरकारी पद के गलत इस्तेमाल की शिकायतों के बाद लिया। अब उन्हें राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखनी होगी और चुनाव प्रचार या कैंपेनिंग से दूर रहना होगा। चुनाव आयोग ने इस फैसले को लेकर गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन



अधिकारियों को 9 नवंबर को लेटर भेजा है। आयोग ने चुनाव वाले क्षेत्रों में अधिकारियों के साथ बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंस करने पर भी रोक लगाई है।

शिकायतों के बाद आयोग का फैसला- एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले भी ऐसी शिकायतें मिली थीं। इनमें कहा गया था कि राज्य सरकारों से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रिटायर्ड अधिकारी चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों की बैठकें बुलाते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि राज्य सरकारों से जुड़े, नियुक्त या दोबारा नियुक्त किए गए लोगों पर भी सरकारी कर्मचारियों जैसी पाबंदियां लागू होंगी। ये पाबंदियां आचार संहिता लागू रहने तक प्रभावी रहेंगी। आयोग ने निर्देश दिया कि ऐसे लोग जिले के चुनाव से जुड़े अधिकारी को बैठक के लिए नहीं बुला सकते।

- **राजनीतिक गतिविधियों से दूरी जरूरी-** दोबारा नियुक्त किए गए लोग अपने नाम, सरकारी पद या अधिकार का इस्तेमाल किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति के पक्ष में नहीं कर सकते। आयोग ने यह भी दोहराया कि आचार संहिता उन संस्थाओं, समितियों, निगमों और आयोगों पर लागू होती है, जिन्हें सरकार पूरी तरह या आंशिक रूप से फंड देती है। मतलब सरकारी पैसों से चलने वाली कोई भी संस्था चुनाव के दौरान किसी पार्टी का प्रचार नहीं कर सकती। यूपी, पंजाब जैसे राज्यों में जहां रिटायर्ड अफसरों को सलाहकार बनाकर रखा गया है, उन पर अब सीधे चुनाव आयोग की नजर रहेगी। चुनाव के दौरान कोई रिटायर्ड अफसर चुनाव अधिकारी को अपने ऑफिस बुलाकर मीटिंग नहीं कर पाएगा। अगर कोई ऐसा करता पकड़ा गया, तो ईसी उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है और राज्य सरकार को भी जवाब देना होगा।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर संजय गांधी का एक ड्रीम प्रोजेक्ट था

सोनिया गांधी ने अपनी किताब में किया जिक्र, तोड़फोड़ के विरोध पर इंदिरा ने रुकवाया

वाराणसी (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से जुड़े पुराने प्रस्ताव का जिक्र किया है। उन्होंने इसे इंदिरा गांधी के कार्यकाल से जोड़ते हुए आपातकाल के दौरान इसकी योजना बनाए जाने की बात लिखी है। किताब में लिखा- आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने काशी विश्वनाथ क्षेत्र के चौड़ीकरण और वहां सुधार का प्रस्ताव रखा था। विश्व के सबसे प्राचीन शहर में मकानों की भारी तोड़फोड़ और जनता के विरोध की आशंका को देखते हुए इंदिरा गांधी ने इसमें हस्तक्षेप किया था और उस काम को रुकवा दिया था।



बनारस रोड शो में बेहोश हुई थीं, कंधे में हुआ था फ्रैक्चर- सोनिया गांधी ने अपनी किताब में अगस्त 2016 के वाराणसी दौरे के दौरान हुई घटना का भी जिक्र किया है। उस समय सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। राहुल गांधी और अखिलेश यादव के रोड शो से पहले सोनिया गांधी ने वाराणसी में चुनावी रैली की थी। किताब में लिखा है कि करीब पांच घंटे लंबे रोड शो के दौरान अत्यधिक थकान के कारण सोनिया गांधी बेहोश होकर गिर गई थीं। उन्हें इलाज के लिए दिल्ली लाया गया था। उनका कंधा बुरी तरह टूट गया था, जिसके चलते उन्हें गंभीर ऑपरेशन से गुजरना पड़ा था। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें एक होटल में रखा गया। देर रात बाबतपुर एयरपोर्ट से एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली ले जाया गया।

राजस्थान के वीर शासकों की गौरवगाथाओं पर बनेगी फिल्म 'शासक'

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की धरती ने इतिहास में ऐसे कई वीर शासकों को जन्म दिया, जिनकी वीरता, शौर्य, पराक्रम और युद्ध कौशल की गाथाएं आज भी देशभर में गर्व के साथ सुनाई जाती हैं। अब राजस्थान के इसी गौरवशाली इतिहास को बड़े पर्दे पर जीवंत करने की तैयारी की जा रही है। निर्देशक नरेंद्र सिंह मीणा पहली बार ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फीचर फिल्म 'शासक' लेकर आ रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक



जारी कर दिया गया है। इसमें अभिनेता मुकेश चावंडिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म को भव्य ऐतिहासिक एक्शन फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है, जिसके जरिए राजस्थान के वीर शासकों के संघर्ष, साहस और गौरवशाली विरासत को सिनेमाई अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। मेकर्स ने बताया कि फिल्म 'शासक' का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक घटनाओं को पर्दे पर दिखाना नहीं, बल्कि राजस्थान के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले वीर शासकों के व्यक्तित्व, उनके शासन, युद्ध कौशल और मातृभूमि के प्रति समर्पण को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है। राजस्थान का इतिहास वीरता और बलिदान की अनेक कहानियों से भरा हुआ है।

ओवैसी और चंद्रशेखर ने बनाया यूपी चुनाव के लिए नया मोर्चा

- 150 सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार, आज कर सकते हैं घोषणा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में संभावित विधानसभा चुनाव को लेकर सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन और यूपी के सांसद चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन हो गया है। ओवैसी और चंद्रशेखर ने मिलकर उत्तर प्रदेश में तीसरा मोर्चा बना लिया है। इस मोर्चे का ऐलान 12 नवंबर को होने की संभावना है। बताया जाता है कि एआईएमआईएम और एएसपी मिलकर उत्तर प्रदेश की 150 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली हैं। एआईएमआईएम के प्रवक्ता शादाब चौहान ने कहा है कि, ऐसा विकल्प जनता के बीच होना चाहिए जो दलित मुस्लिम वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाला हो और उनको राजनीतिक और सामाजिक न्याय दिलाने वाला हो। चीजें बहुत जल्द स्पष्ट होंगी।



इंडिया गठबंधन में शामिल होना चाहते थे ओवैसी

असदुद्दीन ओवैसी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अपने दल एआईएमआईएम को विपक्ष के इंडिया गठबंधन में शामिल कराना चाहते थे। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने उनको गठबंधन में शामिल करने में रुचि नहीं ली। इसके बाद ओवैसी के चंद्रशेखर आजाद से हाथ मिलाने की अटकलें काफी दिनों से चल रही थीं।

संक्षिप्त समाचार

1322 यात्रियों से 10.39 लाख रुपए जुर्माना वसूला, सोनपुर मंडल में बरौनी समेत कई स्टेशनों और ट्रेनों में चेकिंग

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में 9 नवंबर को बिना टिकट और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 1322 यात्रियों पर कार्रवाई की गई। उनसे जुर्माना और किराए के रूप में 10 लाख 39 हजार 670 रुपए वसूले गए। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया। इसमें वाणिज्य विभाग, टिकट जांच कर्मियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम शामिल रही। अभियान के तहत सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया और नवगछिया समेत मंडल के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में जांच की गई। बिना टिकट यात्रा करने, टिकट में निर्धारित श्रेणी से अलग श्रेणी में सफर करने और बिना उचित अनुमति यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे नियमानुसार जुर्माना और किराया वसूला गया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से वैध टिकट लेकर और टिकट में निर्धारित श्रेणी के अनुसार ही यात्रा करने की अपील की है। बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय है। सोनपुर मंडल प्रशासन ने कहा कि रेलवे राजस्व की सुरक्षा और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के लिए इस तरह के टिकट जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

भूमि विवाद में 10 राउंड फायरिंग, 2 घायल, बाइक सवारों ने चलाई गोलियां, तनाव के बाद 3 थानों की पुलिस तैनात



हाजीपुर। वैशाली के मंगलवार की देर रात भूमि विवाद को लेकर बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ करीब 10 राउंड फायरिंग की। गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना महुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरपुर गंगाराम गांव की है। हरपुर गंगाराम निवासी सोनू कुमार ने बताया कि फायरिंग में सुमित्रा देवी और देवेंद्र महतो को गोली लगी है। दोनों घायलों का महुआ अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। सोनू कुमार ने बताया कि यह सारा मामला भूमि विवाद का है। उन्होंने आरोप लगाया कि मिर्जा नगर से आए बदमाशों ने उनके घर एवं लोगों को निशाना बनाते हुए फायरिंग की। सोनू कुमार ने बताया कि सबसे पहले बदमाशों ने बेजुबान पशु के ऊपर भी हमला कर दिया। इसके बाद घर की ओर फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि लगभग 20 से अधिक की संख्या में बदमाश मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे। बदमाशों ने एक के बाद एक करीब 10 राउंड फायरिंग की, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए घरों में छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए तीन थानों की पुलिस घटनास्थल पर तैनात की गई है। पुलिस ने गांव में गश्त बढ़ा दी है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। सोनू कुमार ने कहा कि लगभग 20 वर्षों से यह भूमि विवाद का मामला चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपना हक चाहिए। उन्होंने वरीय पदाधिकारियों से मांग की कि मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और हमारे परिवार को इंसाफ मिले। गोलीबारी के बाद गांव में लोग डरे-सहमे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। इधर मामले की सूचना मिलने पर पहुंची महुआ पुलिस ने घटनाक्रम की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने गांव में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है।

'विकसित भारत 2047' के विजन पर हुई चर्चा, डॉ. दिनेश शाहरा ने छात्रों को दिया 'कॉन्शियस लीडरशिप' का मंत्र

पटना। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और जीवन के स्पष्ट उद्देश्य की भावना विकसित करने के उद्देश्य से प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ. दिनेश शाहरा ने गांधीधाम स्थित टोलानी मोटवाने इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में विशेष इंटरैक्टिव लीडरशिप प्रोग्राम को संबोधित किया। दिनेश शाहरा फाउंडेशन (DSF) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-जागरूकता, आंतरिक नेतृत्व और माइंडफुलनेस के महत्व से परिचित कराते हुए देश के जिम्मेदार और उद्देश्यपूर्ण भावी नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित किया। अपनी उद्यमिता की यात्रा और जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. शाहरा ने छात्रों से कहा, "सच्चे नेतृत्व की शुरुआत स्वयं का नेतृत्व करने से होती है। लीडरशिप केवल किसी पद, अधिकार या पेशेवर सफलता तक सीमित नहीं है। एक सच्चा लीडर वह है जो अपने नैतिक मूल्यों को समझता है, जिसके पास जीवन का स्पष्ट उद्देश्य है और जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहता है।" इंटरैक्टिव सेशन के दौरान छात्रों ने डॉ. शाहरा से सीधे सवाल पूछे और एक जिम्मेदार व जागरूक लीडर बनने के आवश्यक गुणों को समझा। कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक विशेष गाइडेड मेडिटेशन सेशन रहा। इसमें छात्रों को मन की शांति, माइंडफुलनेस और आत्म-जागरूकता का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। डॉ. शाहरा ने बताया कि स्वयं से जुड़ने और अपने मन को शांत रखने से विचारों में स्पष्टता आती है, भावनात्मक संतुलन बना रहता है और विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के विजन तथा 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' की अवधारणा के अनुरूप रहा। डॉ. शाहरा ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास ही काफी नहीं है; इसके लिए जागरूक नागरिकों, नैतिक रूप से मजबूत युवाओं और सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है। दिनेश शाहरा फाउंडेशन देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। फाउंडेशन मुख्य रूप से शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा के क्षेत्रों में समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

अनंत ने खेसारी को दिया बेटी की शादी का न्योता, वीडियो कॉल पर हुई बात, 20 नवंबर से शुरू होगी रस्में

पटना। बिहार के मोकामा विधायक अनंत सिंह अपनी बेटी की शादी को लेकर चर्चा में हैं। शादी की तैयारियों, दामाद को मिलने वाले गिफ्ट से लेकर पहुंचने वाले मेहमानों की बातें हो रही हैं। गेस्ट लिस्ट में भोजपुरी सिंगर-एक्टर खेसारी लाल का भी नाम जुड़ गया है। अनंत सिंह ने खेसारी लाल यादव को बेटी की शादी का न्योता दिया है। दोनों के बीच वीडियो कॉल पर बातचीत हुई। जिसका वीडियो सामने आया है। भोजपुरी एक्टर ने 25 नवंबर को आने की बात कही। बता दें कि, अनंत सिंह की बेटी शादी की रस्में 20 नवंबर से शुरू होंगी। 20 को तिलक होगा, जबकि 25 नवंबर को शादी है। समारोह को खास और भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। शादी में जयपुर थीम पर जयमाला स्टेज तैयार किया जाएगा। इसके लिए विशेष सजावट की योजना बनाई गई है। अनंत सिंह ने खेसारी लाल यादव से वीडियो कॉल पर बातचीत की। खेसारी लाल यादव से अनंत सिंह कहते हैं, हां, 25 के आबो.. इसपर भोजपुरी स्टार हैं, 25 को हमारे घर के सामने लड़की की शादी है तो हम दिन में आकर घूम जाएंगे। जिसके बाद अनंत सिंह ने कहा- हां-हां। अगर 20 को छुट्टी है तो 20 को आबो.. इसपर खेसारी लाल यादव कहते हैं कि दादा, हम एक कार्यक्रम में हैं पटना पहुंच कर आपको कॉल करते हैं। समस्तीपुर में एक कार्यक्रम में है तो हम उसी में पहुंचे हैं। रात में पूर्णिया में हैं। इसपर अनंत सिंह कहते हैं ठीक हैं।

2 महीने से लापता युवक का अब तक कोई सुराग नहीं

परिजन ने दोस्त पर हत्या की आशंका जताई, एसएसपी-डीजीपी से मिलकर की कार्रवाई की मांग

एजेंसी, पटना

बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र के इंग्लिश गांव के कुंदन कुमार दो महीने से लापता हैं। उनके परिजनों ने दोस्त अंगद कुमार उर्फ सूर्या सोलंकी पर हत्या की आशंका जताई है। उनका शक है कि कुंदन की हत्या कर शव गंगा में बहाया गया हो सकता है। कुंदन के भाई चन्दन कुमार ने एसएसपी, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने जल्द कार्रवाई कर सूर्या को गिरफ्तार करने और कुंदन का पता लगाने की मांग की।

कुंदन के चाचा विनय कुमार के मुताबिक, कुंदन 9 सितंबर 2026 की रात करीब 10 बजे पटना के बहादुरपुर थाना क्षेत्र की न्यू कुंज कॉलोनी से मरीन ड्राइव जाने के बाद लापता हो गए। परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। इस दौरान पता चला कि वह दोस्त अंगद कुमार उर्फ सूर्या सोलंकी के साथ थे। सूर्या बाढ़ के बेल्लौर गांव का रहने वाला है और घटना के



समय न्यू कुंज कॉलोनी में रह रहा था। परिजनों ने सूर्या से बात की और उसकी दी जानकारी के आधार पर बहादुरपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की, लेकिन कुंदन का पता नहीं चला। परिवार को कुंदन के मरीन ड्राइव जाने का सीसीटीवी फुटेज भी मिला।

गलत जानकारी देकर परिजन को गुमराह करने का आरोपः इसके बाद परिजनों ने सूर्या पर कुंदन के अपहरण और हत्या का शक जताते हुए पुलिस को लिखित आवेदन दिया। उनका कहना है कि आवेदन देने के बाद से सूर्या फरार है। परिजनों को शक है कि उसने अपने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर कुंदन की हत्या की। परिजनों का आरोप है कि सूर्या बार-बार गलत जानकारी देकर उन्हें गुमराह कर रहा था। उनका कहना है कि मरीन ड्राइव साथ जाने के बाद सूर्या के पैर में चोट थी। इससे उन्हें दोनों के बीच झड़प होने का शक हुआ।

परिजनों का कहना है कि दो महीने बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है और जांच उनके दिए सबूतों और जानकारी तक सीमित है। उन्होंने फरार सूर्या सोलंकी को गिरफ्तार करने और जांच जल्द पूरी करने की मांग की है।

पुलिस दोस्त को खोज रहीः बहादुरपुर थाना अध्यक्ष ने कहा कि लापता युवक की खोजबीन की जा रही है, फरार दोस्त की गिरफ्तारी हेतू छापामारी की जा रही है।

घर पर फायरिंग और तोड़फोड़, 10 दिन पहले लड़की से छेड़छाड़ हुई थी



एजेंसी, पटना

- शिकायत करने पर आरोपियों ने किया हंगामा

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के ढकवाहाचक गांव में देर रात कुछ लोगों ने एक घर में तोड़फोड़ की। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों ने दो राउंड फायरिंग भी की। जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक, तोड़फोड़ करने वाले युवक गांव के ही हैं। 10 दिन पहले उनकी बहन के साथ छेड़छाड़ हुई थी। इस मामले में थाने में लिखित शिकायत दी गई, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद आरोपियों ने देर रात घर के पास हंगामा किया। विरोध करने पर तोड़फोड़ और फायरिंग की।

'पहले भी मारपीट हुई थी': पीड़ित परिवार के सदस्य सोनू कुमार ने कहा कि करीब 10 दिन पहले छठ पर्व के लिए उनकी बहन गाय का गोबर लेने गई थी, तभी उसके साथ छेड़छाड़ की गई। करीब तीन साल पहले दीपावली के दिन आरोपियों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की थी।

थाने को मामले की जानकारी नहीं: मामले की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। वहीं, इस संबंध में बाढ़ थानाध्यक्ष पूर्णेन्दु कुमार कहना है कि ढकवाहाचक गांव में ऐसी किसी घटना की जानकारी थाने को नहीं है। फिर भी पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

किराए के मकान में युवक ने सुसाइड किया, फंदे से लटककर दी जान

एजेंसी, पटना

जक्कनपुर थाना क्षेत्र के संजय नगर रोड नंबर-5 स्थित परमिला निवास में बुधवार शाम एक युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान नवादा निवासी मनु कुमार (23 वर्ष) के रूप में हुई है। वह पटना में रहकर रैपिडो चलाता था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मनु कुमार अपने चाचा और एक अन्य युवक के साथ पिछले छह महीने से मकान में किराए पर रह रहा था।

खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक फंदे से लटका दिखाः मकान मालकिन उर्मिला देवी ने बताया कि बुधवार शाम युवक के चाचा बाहर से लौटे तो मनु ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। काफी आवाज देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने इसकी जानकारी मकान मालकिन को दी। इसके बाद मकान मालकिन और अन्य लोगों ने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो युवक फंदे से लटका हुआ था। यह देखकर सभी के होश उड़ गए। आनन-फानन



- नवादा का रहने वाला था

में जक्कनपुर थाने की पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस जांच में जुटीः सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। मृतक के दादा भी घटनास्थल पर पहुंचे। जवान पोते की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। फिलहाल युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में घुसकर ड्राइवर की हत्या, दरवाजा खुलते ही सिर में मारी गोली, मोबाइल लेकर भागे बदमाश

एजेंसी, पटना

पटना में अपराधियों ने घर में घुसकर एक ड्राइवर की गोली मारकर हत्या कर दी। बाइक सवार अपराधियों ने घर में घुसकर सिर में गोली मारी है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 11:30 बजे दो युवक घर पहुंचे और दरवाजा खुलवाया। जैसे ही दरवाजा खुला, तभी एक युवक ने ड्राइवर के सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद दोनों अपराधी उसका मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए। घटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के सिमरी गांव में हुई।

मृतक की पहचान इरफान इमाम उर्फ कल्लू (32) के रूप में हुई है। इरफान पिछले दो साल से सिमरी गांव में किराए के मकान में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रह रहा था। हालांकि वारदात के वक्त पत्नी घर में नहीं थी। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे, लेकिन तब तक इरफान की मौत हो चुकी थी।

वारदात के समय पत्नी मायके में थीः घटना के समय इरफान की पत्नी नेहा प्रवीण अपने छोटे बेटे के साथ मायके गई थी। सिर्फ बड़ा बेटा था, जो सो रहा था। घटनास्थल से एक खोखा मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हत्या की वजह अभी क्लियर नहीं है।



एक महीने पहले भी हुई थी फायरिंगः पत्नीः मृतक की पत्नी नेहा प्रवीण ने बताया कि एक महीने पहले भी मेरे पति पर हवाई फायरिंग हुई थी जब हम लोग भोजपुर जिला से बाइक से घर लौट रहे थे। उस वक्त गोली मेरे कान के बगल से गुजर गई थी। साजिश के तहत मारा गया है।

पुलिस और FSL टीम कर रही जांचः घटना की सूचना मिलने के बाद बिहटा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। मौके से एक खोखा भी बरामद किया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए FSL टीम को बुलाया गया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों से सिमरी गांव में इरफान इमाम उर्फ कल्लू की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद

- एक महीने पहले भी हुई थी फायरिंग

पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। मृतक की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बदमाशों ने इरफान को निशाना क्यों बनाया और एक महीने पहले हुई फायरिंग का इस हत्या से कोई कनेक्शन है या नहीं।

पिता ने दर्ज कराई FIRः मृतक के पिता मो.जफर इमाम ने बिहटा थाना में दो अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। बहू फोजिया फिरदौस उर्फ नेहा परवीन के बयान पर मामला दर्ज कराया है। पिता ने बताया कि पिछले कई सालों से बेटा किराए पर रहता था। मेरी उससे बातचीत भी नहीं होती था, लेकिन कल गांव के लोगों से जानकारी मिली कि मेरे बेटे की हत्या गोली मारकर हुई है। जब बहू से पूछा तो बताया कि घटना के समय वह अपने मायके में गई थी। मुझे आशंका है की साजिश के तहत मेरे बेटे की गोली मार कर हत्या कराई गई है।

सामाजिक समरसता और पारस्परिक सद्भाव ही समाज की असली ताकतः नीतीश कुमार

एजेंसी, पटना

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी, रोड नंबर-12 में आयोजित भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा में शामिल हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान चित्रगुप्त के प्रति श्रद्धा निवेदित की और प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार ने कहा कि सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और पारस्परिक सम्मान किसी भी समाज की बुनियादी ताकत हैं। बिहार की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साझा सामाजिक परंपराओं से रही है। इस विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए समाज के सभी वर्गों के बीच प्रेम, विश्वास और भाईचारे को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं को संरक्षित करने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करते हैं। सामाजिक समरसता के लिए आयोजित प्रीतिभोज जैसी पहलें जाति और वर्ग के भेद से ऊपर उठकर एक साथ बैठने, सहभागिता और आत्मीयता का संदेश देती हैं। समाज



में सद्भाव और सहयोग का वातावरण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्यों और अन्य गणमान्य लोगों ने नीतीश कुमार का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता एवं विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दीपक कुमार उपस्थित थे।

फतुहा के गोदाम से 435 कार्टन शराब जब्त, 50 लाख रुपए की है शराब

एजेंसी, पटना

पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में मुस्तफापुर स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास एक गोदाम से पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम ने 435 कार्टून विदेशी शराब जब्त की। इसकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए है। मामले में राजस्थान के चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय कारोबारी की तलाश जारी है। सहायक आयुक्त (उत्पाद) प्रेम प्रकाश के निर्देश पर एक्साइज इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में टीम ने बीती रात करीब 2 बजे छापेमारी की।

प्रेम प्रकाश ने बताया कि मुस्तफापुर में शराब जमा किए जाने की सूचना मिलने के बाद टीम ने गोदाम की रेकी की। सूचना सही मिलने पर घेराबंदी कर कार्रवाई की गई।

पंजाब-हरियाणा से संपर्क कर बिहार में शराब की खेप पहुंचातेः गोदाम से 'फॉर सेल इन चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा' लिखा शराब के 435 कार्टून जब्त किए गए। इनमें करीब 3,830.760 लीटर शराब थी। प्रेम प्रकाश के मुताबिक, जांच में पता चला कि तस्कर पंजाब और हरियाणा से संपर्क कर बिहार में शराब की



खेप पहुंचाते थे। गिरफ्तार लोगों की पहचान राजस्थान के बाड़मेर जिले के सिणधरी थाना क्षेत्र के देवा राम, विशना राम, दमा राम और दिनेश कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने गोदाम सील कर दिया है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में एक्साइज इंस्पेक्टर अजीत कुमार, एसआई सोनम कुमारी, एएसआई अजीत कुमार, डब्लू कुमार, विनिता कुमारी और सिपाही अभिजीत, राजकुमार, प्रदीप व अनुराधा कुमारी शामिल थे।

छठ पर पटना जंक्शन में यात्री शेड बनेंगे, सुरक्षा में 100 से ज्यादा जवान तैनात होंगे

एजेंसी, पटना

छठ पर बिहार लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। पटना जंक्शन पर भीड़ को देखते हुए रेलवे विशेष यात्री शेड बनाएगा। यहां यात्रियों के लिए बैठने और आराम करने की व्यवस्था होगी। सुरक्षा में 100 से ज्यादा जवान तैनात होंगे। दिल्ली, मुंबई, उत्तर प्रदेश, सूरत और गुजरात समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग बिहार लौट रहे हैं। इससे ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है। रेलवे ने पटना जंक्शन पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्लेटफॉर्म के साथ स्टेशन परिसर में भी शेड बनाए जाएंगे। शेड के फर्श पर कालीन बिछाई जाएगी, ताकि यात्री बैठ और आराम कर सकें। यहां रोशनी के लिए लाइटें, माइकिंग सिस्टम, मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जिंग पॉइंट और LED डिस्प्ले लगाए जाएंगे। अनाउंसमेंट और डिस्प्ले के जरिए यात्रियों को ट्रेनों और दूसरी जरूरी सूचनाओं की जानकारी मिलेगी। उन्हें ट्रेन की जानकारी लेने के लिए बार-बार प्लेटफॉर्म पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सुरक्षा के लिए RPF की 4 अतिरिक्त कंपनियां तैनात होंगी।

प्राथमिक उपचार के लिए मेडिकल टीम की होगी तैनातीः छठ के दौरान स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ के बीच स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को देखते हुए मेडिकल सुविधा भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए विशेष मेडिकल टीम की नियुक्ति की जाएगी। भीड़ के दौरान किसी यात्री की तबीयत खराब होने या किसी तरह की चोट लगने पर उसे प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और लंबी दूरी से सफर कर पहुंचने वाले यात्रियों को इससे मदद मिलेगी।

RPF की 4 अतिरिक्त कंपनियां संभालेंगी सुरक्षा की कमानः यात्रियों की सुविधा के साथ सुरक्षा व्यवस्था को भी रेलवे ने प्राथमिकता दी है। भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने



के लिए RPF की चार अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती की जाएगी। पटना जंक्शन के सभी 10 प्लेटफॉर्म पर RPF और GRP के जवान रोजाना क्राउड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्लेटफॉर्म की संख्या और यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए 100 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षाकर्मियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे किसी प्लेटफॉर्म पर अचानक भीड़ बढ़ने या किसी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल संबंधित टीम को सूचना दी जा सकेगी।

FOB और सीढ़ियों पर भीड़ रोकने के लिए होगी विशेष व्यवस्थाः छठ के दौरान यात्रियों की सबसे अधिक भीड़ प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज (FOB) और सीढ़ियों पर देखने को मिलती है। ऐसे में इन जगहों पर भीड़ का दबाव कम करना रेलवे के लिए बड़ी चुनौती होगी। इसके लिए रेलवे स्टाफ को लाउड हेलर के साथ तैनात किया जाएगा। कर्मचारी लगातार यात्रियों से फुट ओवरब्रिज और सीढ़ियों पर अनावश्यक रूप से नहीं रुकने तथा व्यवस्थित तरीके से आने-जाने की अपील करेंगे। भीड़ अधिक होने की स्थिति में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। इससे प्लेटफॉर्म पर अफरातफरी की स्थिति बनने से रोकी जा सकेगी और यात्रियों की आवाजाही सुचारु बनी रहेगी।

हर साल लाखों प्रवासी छठ पर पहुंचते हैं बिहारः रेलवे अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि छठ के अवसर पर लाखों यात्री दूसरे राज्यों से बिहार पहुंचते हैं। यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए रेलवे की ओर से हर साल विशेष इंतजाम किए जाते हैं। इस बार भी यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर में यात्री शेड, बैठने और आराम करने की व्यवस्था के साथ अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए RPF की चार अतिरिक्त कंपनियों की नियुक्ति की गई है। पटना जंक्शन के सभी प्लेटफॉर्म पर RPF और GRP के जवान तैनात रहेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वॉकी-टॉकी, लाउड हेलर और अन्य व्यवस्थाओं का इस्तेमाल किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

शिरखिंडी में जमीन पर पानी गिराने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, पांच गिरफ्तार

दो दिन पूर्व हुई थी जमकर मारपीट, दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज की दो प्राथमिकी



बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के शिरखिंडी गांव में दूसरे की जमीन पर पानी गिराने को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले को लेकर दोनों पक्षों की ओर से स्थानीय थाने में आवेदन दिया गया था। पुलिस ने दोनों आवेदनों के आधार पर सुगौली थाना कांड संख्या 551/26 एवं 552/26 दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू की। इसके बाद कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के पांच नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। थाना कांड संख्या 551/26 के प्राथमिक अभियुक्त पप्पू साह, पिता संदेश साह, रामप्रवेश साह, पिता स्व. बंती साह, रुपेश साह, पिता संदेश साह तथा संदेश साह, पिता स्व. बंती साह सभी निवासी शिरखिंडी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, थाना कांड संख्या 552/26 के प्राथमिक अभियुक्त परवेज आलम, पिता हमीद मियां, निवासी शिरखिंडी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

प्रधानाध्यापक मो. सद्दाम को मिला उत्कृष्ट शिक्षा सेवा सम्मान

बीएनएम @ रामगढ़वा। उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, मुरला के प्रधानाध्यापक मोहम्मद सद्दाम को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण और बेहतर कार्यशैली के लिए 'उत्कृष्ट शिक्षा सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि से रामगढ़वा प्रखंड में खुशी की लहर है। सम्मान मिलने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। प्रधानाध्यापक मोहम्मद सद्दाम की इस उपलब्धि पर विधायक बबलू गुप्ता, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ब्रजेश कुशवाहा, सांसद प्रतिनिधि पुष्पेंद्र तिवारी, शिक्षक संघ के प्रदेश नेता मुस्तफा आजाद, श्रीनिवास सहित कई जनप्रतिनिधियों,



अधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वाले गणमान्य लोगों ने कहा कि मोहम्मद सद्दाम को मिला यह सम्मान उनके कठिन परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठा और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतिफल है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की पहचान है, बल्कि पूरे रामगढ़वा प्रखंड के लिए भी गौरव की बात है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मोहम्मद सद्दाम भविष्य में भी इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देते रहेंगे और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सड़क पर तड़प रहे दो घायलों के लिए फरिश्ता बने थानाध्यक्ष, खुद अस्पताल पहुंचाकर शुरू कराया इलाज

» छठ घाटों के निरीक्षण के दौरान कोरैया के समीप सड़क हादसे में घायल मिले दो युवक, थानाध्यक्ष रंजीत कुमार की तत्परता और मानवीय पहल की हो रही सराहना

बीएनएम @ तुरकौलिया। पुलिस की वर्दी में छिपी इंसानियत की एक शानदार मिसाल उस समय देखने को मिली, जब छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले तुरकौलिया थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सड़क हादसे में घायल दो युवकों के लिए मददगार बनकर सामने आए। कोरैया के समीप सड़क पर दर्द से कराह रहे दोनों युवकों को देखकर उन्होंने तत्काल अपनी गाड़ी रुकवाई और बिना देर किए उन्हें अस्पताल पहुंचाकर इलाज शुरू कराया। मिली जानकारी के अनुसार, तुरकौलिया-छपवा मुख्य मार्ग पर कोरैया के समीप एक युवक सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पार कर रहा युवक और बाइक सवार दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कोरैया निवासी नागेंद्र चौधरी और जयसिंहपुर चिलराव निवासी रविशंकर कुमार के रूप में हुई है। इसी बीच छठ घाटों का निरीक्षण करने जा रहे थानाध्यक्ष रंजीत कुमार की नजर सड़क पर पड़े घायलों पर पड़ी। उन्होंने अपनी ड्यूटी के साथ मानवीय जिम्मेदारी निभाते हुए तत्काल दोनों युवकों को अपनी पहल पर अस्पताल पहुंचाया और उनके इलाज की व्यवस्था कराई। बताया जा रहा है कि दोनों युवक खतरे से बाहर हैं और उनका उपचार जारी है। थानाध्यक्ष की इस संवेदनशीलता और तत्परता की इलाके में खूब सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में जरूरतमंदों की मदद करना भी है। रंजीत कुमार ने अपनी इस पहल से साबित कर दिया कि वर्दी की असली पहचान केवल रौब नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और इंसानियत भी है।

आपदा प्रबंधन का पुलिसकर्मियों, चौकीदारों व गृह रक्षकों को प्रशिक्षण

» बाढ़, भूकंप, सर्पदंश और आग से बचाव का दिया गया व्यावहारिक ज्ञान, एसडीआरएफ व अग्निशमन विभाग ने किया मॉक अभ्यास

बीएनएम @ मोतिहारी



आपदा की स्थिति में सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचने वाले पुलिसकर्मियों, चौकीदारों और गृह रक्षकों को अब बचाव एवं राहत कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। इसी उद्देश्य से बुधवार को पुलिस लाइन, मोतिहारी में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पूर्वी चम्पारण के तत्वावधान में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) एवं अग्निशमन विभाग की ओर से मॉक अभ्यास -सह- प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित होना बेहद जरूरी है। किसी भी घटना के समय पुलिसकर्मी, चौकीदार एवं गृह रक्षक सबसे पहले मौके पर पहुंचते हैं। ऐसे में उन्हें आपदा के दौरान त्वरित कार्रवाई, बचाव और राहत कार्यों की पूरी जानकारी होनी चाहिए। प्रशिक्षण से वे खुद को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दूसरों की जान भी बचा सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने बाढ़, डूबने, भूकंप और सर्पदंश जैसी आपदाओं से बचाव के तरीकों का सजीव प्रदर्शन किया। आपदा में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने तथा राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने की तकनीक भी बताई गई। वहीं, अग्निशमन विभाग की टीम ने आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों और अग्निशमन उपकरणों के सही इस्तेमाल का प्रदर्शन किया। कर्मियों को बताया गया कि आग लगने पर घबराने के बजाय किस प्रकार सूझबूझ और सतर्कता के साथ स्थिति पर काबू पाया जा सकता है। मॉक अभ्यास के माध्यम से पुलिसकर्मियों, चौकीदारों एवं गृह रक्षकों को आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेने और प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य करने की जानकारी दी गई।

छठ पर्व पर नगर पंचायत ने कर्मियों को बांटे वस्त्र

बीएनएम @ सुगौली



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर नगर पंचायत प्रशासन की ओर से बुधवार को नगर पंचायत कार्यालय स्थित सभागार में स्वच्छता कर्मियों एवं कार्यालय कर्मियों के बीच वस्त्रों का वितरण किया गया। इस पहल से दर्जनों कर्मी लाभान्वित हुए। वस्त्र वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व नगर पंचायत की उपमुख्य पार्षद सरिता शर्मा ने किया। इस दौरान नगर के विभिन्न वार्डों के पार्षदों की मौजूदगी में स्वच्छता एवं कार्यालय कर्मियों को वस्त्र प्रदान किए गए। मौके पर उपमुख्य पार्षद सरिता शर्मा ने सभी कर्मियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ पूजा आस्था, संयम, त्याग और सेवा का महान पर्व है। नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि त्योहार के इस पावन अवसर पर नगर पंचायत प्रशासन की ओर से कर्मियों के बीच वस्त्र वितरण करना एक सराहनीय पहल है। वहीं, वार्ड संख्या पांच के पार्षद जितेन्द्र कुमार सिंह, उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अलीहसन एवं वार्ड संख्या तीन के पार्षद प्रतिनिधि मुन्ना लाल साह ने भी स्वच्छता कर्मियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इन कर्मियों के सुख-दुःख में सहभागी बनना और उनका मनोबल बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर की स्वच्छता में दिन-रात जुटे इन कर्मियों का सम्मान करना समाज का दायित्व है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के प्रधान सहायक प्रमोद पासवान सहित अन्य समाजसेवी एवं नगर पंचायत के कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

नए फर्नीचर शोरूम का विधायक राजू तिवारी ने किया शुभारंभ

बीएनएम @ अरेराज



अरेराज-मोतिहारी मुख्य मार्ग पर आईटीआई के समीप बुधवार को नवनिर्मित प्रतिष्ठान 'विकास फर्नीचर' का भव्य शुभारंभ हुआ। गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं सत्तारूढ़ दल के सचेतक राजू तिवारी ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में चड़रहिया के पूर्व मुखिया अभय तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के संचालक विकास मिश्रा ने मुख्य अतिथि राजू तिवारी सहित सभी आगंतुकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक राजू तिवारी ने प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर संचालक को बधाई देते हुए व्यवसाय की निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की शुरुआत से स्थानीय बाजार को मजबूती मिलती है और लोगों को अपने ही क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। 'विकास फर्नीचर' के खुलने से अरेराज नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को फर्नीचर की खरीदारी के लिए एक नया विकल्प मिलेगा। मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण ग्राहकों को यहां पहुंचने में भी सुविधा होगी। इस तरह के नए प्रतिष्ठानों से क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। समारोह के अंत में संचालक विकास मिश्रा एवं झुना मिश्रा ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों, स्थानीय व्यवसायियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रिश्वत लेते डाक अधीक्षक को सीबीआई ने दबोचा, पटना ले गई टीम

» कर्मचारी को दरभंगा स्थानांतरित होने के बाद रिलीव करने के एवज में मांगी गई थी रिश्वत, 50 हजार रुपये लेने का आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी



भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीबीआई की टीम ने बुधवार को चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक एसएस सुमन को कथित तौर पर रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद सीबीआई की टीम उन्हें अपने साथ पटना ले गई। बताया जा रहा है कि डाक अधीक्षक ने अपने ही विभाग के कर्मचारी राहुल झा से तबादले के बाद रिलीव करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत की रकम 50 हजार रुपये बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, राहुल झा डाक विभाग में मलाही क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनका तबादला दरभंगा कर दिया गया था। आरोप है कि नई जगह पदस्थापन के लिए रिलीव करने की प्रक्रिया पूरी करने के बदले डाक अधीक्षक की ओर से रिश्वत मांगी जा रही थी। इससे परेशान होकर कर्मचारी ने सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद एजेंसी ने मामले का सत्यापन किया और योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की रणनीति बनाई। बुधवार को सीबीआई की टीम ने इसी शिकायत के आधार पर छापेमारी की। इस दौरान डाक अधीक्षक एसएस सुमन को कथित तौर पर कर्मचारी राहुल झा से रिश्वत लेते पकड़ लिया गया। कार्रवाई के बाद टीम उन्हें अपने साथ पटना ले गई, जहां उनसे पूछताछ किए जाने की बात कही जा रही है। कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे सीबीआई अधिकारी गौरव कुमार मिश्रा से मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। ऐसे में रिश्वत की वास्तविक राशि, बरामदगी और कार्रवाई से जुड़े अन्य तथ्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जाता है कि एसएस सुमन मूल रूप से पूर्वी चंपारण जिले के सेमरा स्टेशन स्थित लाल टोला के निवासी हैं। मोतिहारी के चांदमारी मोहल्ले में भी उनका मकान है। हाल ही में उनकी पदस्थापना डाक अधीक्षक के पद पर हुई थी। सीबीआई की कार्रवाई की खबर सामने आने के बाद डाक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। फिलहाल, मामले में सीबीआई की विस्तृत आधिकारिक जानकारी और आगे की जांच का इंतजार है। जांच के बाद ही रिश्वत मांगने और लेने से जुड़े सभी तथ्यों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अयोध्या में 220 टन रेत से बना भव्य राम दरबार

बीएनएम @ मोतिहारी



बिहार के पूर्वी चंपारण निवासी अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अयोध्या दीपोत्सव 2026 के अवसर पर अपनी अद्भुत कला से एक नई उपलब्धि हासिल की है। सरयू नदी के तट पर स्थित राम कथा पार्क में उन्होंने अपने चार सहयोगियों के साथ लगभग 220 टन बालू से 58 फीट लंबी और 20 फीट ऊंची भव्य राम दरबार, राम मंदिर एवं हनुमानगढ़ी मंदिर की रेत कलाकृति तैयार की। 30 अक्टूबर से शुरू हुआ निर्माण कार्य सात दिनों की अथक मेहनत के बाद 7 नवंबर को पूरा हुआ। इस विशाल कलाकृति को बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। रिकॉर्ड प्रमाणन संख्या IND/2026/001810 के तहत कलाकार को डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए भी आवेदन भेजा गया है, जिसकी प्रक्रिया अभी अलग से जारी है। दीपोत्सव के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कलाकृति का अवलोकन कर कलाकार की सराहना की। मुख्यमंत्री ने इसे अयोध्या की ऐतिहासिक कलात्मक उपलब्धि बताते हुए मधुरेंद्र कुमार को बधाई दी। पूर्वी चंपारण, बिहार के मधुरेंद्र कुमार केवल सैंड आर्टिस्ट ही नहीं, बल्कि बहुआयामी मूर्तिकार एवं सूक्ष्म कला के विशेषज्ञ भी हैं। उन्होंने रेत, कोयले की राख, मिट्टी, धातु, पत्तियों, फल-सब्जियों और अनाज के दानों सहित अनेक माध्यमों से हजारों कलाकृतियां बनाई हैं। उनके नाम 12 से अधिक विश्व रिकॉर्ड, 50 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और 100 से अधिक राष्ट्रीय सम्मान होने का दावा है। वे 25 से अधिक देशों में 75 से अधिक बार अंतर्राष्ट्रीय कला आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हाल ही में उन्हें अमेरिका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया की ओर से सैंड आर्ट के क्षेत्र में योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान किए जाने की जानकारी भी दी गई है। मधुरेंद्र कुमार ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से मूर्तिकला में बीएफए और एमएफए की शिक्षा प्राप्त की है। वे कला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, मतदाता जागरूकता, राष्ट्रीय एकता और विश्व शांति जैसे सामाजिक विषयों पर भी संदेश देते रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल बिहार और पूर्वी चंपारण, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। अयोध्या की पावन धरती पर 220 टन बालू से निर्मित यह विशाल कलाकृति भारतीय संस्कृति, आस्था, कला साधना और रचनात्मकता का अनूठा उदाहरण बन गई है।

छठ घाटों का निरीक्षण कर विधायक राणा रणधीर सिंह ने अधिकारियों को दिए निर्देश



बीएनएम @ पकड़ीदयाल

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत पकड़ीदयाल में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 05, 06 एवं 07 में अवस्थित छठ घाटों का निरीक्षण 18-मधुबन के विधायक -सह- बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक (राज्यमंत्री) राणा रणधीर सिंह ने बुधवार को किया। उक्त निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी मंगला कुमारी, नगर पंचायत के मुख्य पार्षद शंभू पासवान, नगर कार्यपालक पदाधिकारी देवानंद एवं स्वच्छता पदाधिकारी उज्ज्वल कुमार मौजूद रहे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने छठ घाटों पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया। घाटों की साफ-सफाई, श्रद्धालुओं की सुविधा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शेष तैयारियों को समय पर पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रशासन का प्रयास है कि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और सभी घाटों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

छठ पर्व को लेकर सुगौली स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम @ सुगौली



छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को पूर्व मध्य रेलवे, समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्र ने सुगौली रेलवे स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में चल रहे विकास कार्यों, साफ-सफाई और यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीआरएम श्री मिश्र ने समस्तीपुर रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन पर निर्माणाधीन विभिन्न भवनों, रेल थाना, आरपीएफ पोस्ट सहित पूरे रेलवे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों प्लेटफॉर्मों एवं स्टेशन परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने तथा यात्रियों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। निरीक्षण के बाद डीआरएम ने कहा कि छठ महापर्व को देखते हुए रेलवे की तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। इस महापर्व के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल मार्ग से अपने घरों को लौटते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुविधाओं और सुरक्षा को लेकर रेल प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रा के दौरान ट्रेनों और रेलवे परिसर में यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं एवं उनकी सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन भवनों के कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने और उसे निर्धारित समय में शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीनियर डीओएम विजय प्रकाश, सीनियर डीसीएम अमृतेश कुमार, सीनियर डीएन कॉर्डिनेशन संजय कुमार, सीनियर डीएन-2 एस.एन. प्रसाद, आरपीएफ कमांडेंट आशीष कुमार, स्टेशन अधीक्षक संजय कुमार, आईओडब्ल्यू संजय कुमार, पीडब्ल्यूआई के. झा, रेल थानाध्यक्ष वी.के. झा, स्टेशन मास्टर वेद प्रकाश सहित अन्य रेलकर्मी मौजूद रहे।

गांधी आश्रम में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई भारत रत्न मौलाना अबुल कलाम आजाद की 138वीं जयंती

बीएनएम @ मोतिहारी



भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की 138वीं जयंती 11 नवंबर 2026, बुधवार को नगर के बंजरिया पंडाल स्थित गांधी आश्रम में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी (संगठन जिला, गोविंदगंज) के जिलाध्यक्ष इंजीनियर शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष इंजीनियर शशिभूषण राय ने मौलाना आजाद के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद एक महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, कुशल नेतृत्वकर्ता एवं दूरदर्शी शिक्षाविद थे। उन्होंने आजीवन देश की एकता और अखंडता के लिए संघर्ष किया तथा भारत विभाजन का पुरजोर विरोध किया। श्री राय ने कहा कि मौलाना आजाद ने शिक्षा के क्षेत्र में देश को नई दिशा देने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनकी अद्भुत नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक दूरदर्शिता का ही परिणाम था कि मात्र 35 वर्ष की आयु में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने युवाओं से मौलाना आजाद के आदर्शों, विचारों और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विजय शंकर पाण्डेय, मदन प्रसाद कुशवाहा, मदन लाल गुप्ता, आबिद हुसैन, अनवर आलम अंसारी, रमेश सहनी, ओसैदूर रहमान खान, सद्दाम हुसैन, सत्येंद्र नाथ तिवारी, चंद्रशेखर झा, तबरेज कुरैशी, प्रेमचंद्र पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन मौलाना आजाद के राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

छठ की तैयारी शुरू, घाटों पर बनने लगा पंडाल



बीएनएम @ रामगढ़वा। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रामगढ़वा क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। छठ घाटों पर साफ-सफाई और सजावट का कार्य तेज कर दिया गया है। घाटों पर व्रतियों की सुविधा के लिए बांस से पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। श्रद्धालुओं को अर्घ्य देने में परेशानी न हो, इसके लिए सभी घाटों को दुरुस्त किया जा रहा है। मुखिया देवानंद प्रसाद, पूर्व मुखिया अर्जुन प्रसाद और सामाजिक कार्यकर्ता अरुण गुप्ता ने बताया कि व्रतियों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। घाटों पर रोशनी, साफ-सफाई और रास्तों की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।

घर में चल रहा था नशीली दवाओं का अवैध कारोबार, 79.2 लीटर कोडिन सिरप और 72 हजार से अधिक टैबलेट-कैप्सूल बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। कालीबाग थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशीली दवाओं के अवैध भंडारण और कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गैसलाल चौक स्थित एक घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में कोडिनयुक्त कफ सिरप, नशीली टैबलेट और कैप्सूल बरामद किए हैं। मौके से शुभम कुमार नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। बरामद नशीली दवाओं की मात्रा इतनी अधिक है कि पुलिस अब इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर की रात सूचना मिली थी कि कालीबाग थाना क्षेत्र के गैसलाल चौक, वार्ड संख्या-9 निवासी शुभम कुमार (पिता दीपक वर्णवाल) अपने घर में अवैध रूप से कोडिनयुक्त कफ सिरप और नशीली दवाओं का भंडारण कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ सदर-1 अजीत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। टीम में कालीबाग थानाध्यक्ष, औषधि निरीक्षक और दंडाधिकारी को शामिल किया गया। इसके बाद गठित टीम ने आरोपित के घर की विधिवत तलाशी ली। इस दौरान 79.2 लीटर यानी 792 पीस कोडिनयुक्त कफ सिरप, 38,712 टैबलेट और 33,936 कैप्सूल बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से शुभम कुमार को गिरफ्तार कर लिया। मामले में कालीबाग थाना में एनडीपीएस एक्ट, 1985 की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं कहां से लाई गई थीं और इसकी आपूर्ति किन-किन लोगों को की जानी थी। छापेमारी दल में एसडीपीओ सदर-1 अजीत कुमार, औषधि निरीक्षक कन्हैया किशन सिंह, कालीबाग थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार, कनीय अभियंता सुजय सुमन सहित पुलिस पदाधिकारी, क्यूआरटी और थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

एसएसबी का स्वास्थ्य शिविर, 121 ग्रामीणों का इलाज

बीएनएम @ बेतिया। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 44वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नरकटियागंज की ओर से बुधवार को मंगुराहा गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें 121 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें मुफ्त दवाइयां और चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 1 से 15 नवंबर तक आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत कमांडेंट बलवंत सिंह नेगी के मार्गदर्शन में 'ई' समवाय मंगुराहा के वाइब्रेंट विलेज में यह शिविर लगाया गया। इसका उद्देश्य जनजातीय एवं सीमावर्ती ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर में वाहिनी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधांशु कुमार ने ग्रामीणों की जांच कर उनकी समस्याओं के अनुसार दवाइयां वितरित कीं। लाभार्थियों में 49 पुरुष, 36 महिलाएं और 36 बच्चे शामिल थे। चिकित्सक ने ग्रामीणों को संतुलित भोजन, व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। साथ ही नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया। मौके पर मुख्य आरक्षी नर्सिंग राजेश कुमार और आरक्षी नर्सिंग रवींद्र कुमार सिंह मौजूद रहे। एसएसबी की इस पहल के माध्यम से सीमा सुरक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।

पेड़ से लटका मिला 70 वर्षीय वृद्ध का शव, सनसनी

बीएनएम @बेतिया। मझौलिया थाना क्षेत्र के सरिसवा-पिपरपाती मुख्य सड़क स्थित बरवां गांव के वार्ड संख्या-7 में बुधवार को 70 वर्षीय वृद्ध का शव आम के पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बरवां गांव निवासी ललन साह के रूप में हुई है। सड़क किनारे पेड़ से लटका शव देखकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। कुछ ग्रामीणों ने हत्या की आशंका भी जताई है। हालांकि, वृद्ध की मौत आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलने पर मझौलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

थानाध्यक्ष ने किया घाटों का निरीक्षण

बीएनएम @बेतिया। जिले के गौनाहा प्रखंड अंतर्गत मटियरिया थाना क्षेत्र में छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क है। इसी क्रम में मटियरिया थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने पुलिस बल के साथ विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान डगरौल, तुर्कौलिया, बढ़ेया बलुआ, सैथौल और भूस्की सहित कई स्थानों पर पहुंचकर घाटों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सुगौली चीनी मिल का पेराई सत्र 2026-27 शुरू, हुआ डोंगा पूजन

बीएनएम @ सुगौली



एचपीसीएल बायोफ्यूल्स लिमिटेड की इकाई सुगौली चीनी मिल में आगामी गन्ना पेराई सत्र 2026-27 के सफल एवं सुचारु संचालन की कामना के साथ बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच विधिवत डोंगा पूजन समारोह संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से मिल प्रबंधन ने नए पेराई सत्र के लिए शुभारंभ की औपचारिक तैयारियों को गति प्रदान की। डोंगा पूजन का अनुष्ठान पंडित अरुण झा के वैदिक मार्गदर्शन एवं पौरोहित्य में संपन्न हुआ। चीनी मिल के महाप्रबंधक रमेश कुमार शुक्ला ने विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। इसके उपरांत उन्होंने मिल परिसर स्थित तौल कांटा पर गन्ना लदी बैलगाड़ी की पारंपरिक पूजा-अर्चना की तथा नए पेराई सत्र की सफलता के लिए मंगलकामना की। इस अवसर पर महाप्रबंधक रमेश कुमार शुक्ला ने कहा कि चीनी मिल का आगामी पेराई सत्र बेहतर उपलब्धियों और सकारात्मक परिणामों वाला साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि मिल प्रबंधन, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गन्ना किसानों के पारस्परिक सहयोग, समन्वय और प्रतिबद्धता से इस सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि चीनी मिल की प्रगति में गन्ना किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसानों का विश्वास, सहयोग और समय पर गन्ने की आपूर्ति ही मिल की कार्यक्षमता एवं सफलता का प्रमुख आधार है। पूजन समारोह में प्लांट हेड नीरज कुमार राय, उपमहाप्रबंधक सीताराम भारद्वाज, गन्ना प्रबंधक संजीव कुमार, बी.के. सिंह, प्रबंधक अजय कुमार कुशवाहा, गन्ना अधिकारी अमित कुमार सिंह, संतोष कुमार तिवारी, रणजीत सिंह, अजय कुमार शर्मा, द्वारिका नाथ मिश्रा, अभियंता चंद्रशेखर कुमार, साजिद, विवेक सिंह एवं अशोक कुमार सहित मिल के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, किसान धर्मेंद्र नायक उर्फ मुरारी नायक, धर्मेंद्र तिवारी, नरेंद्र यादव, रामनरेश सिंह, शैलेंद्र कुमार, जितेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, वार्ड संख्या चार के पार्षद शैलेश पटेल, प्रमोद कुमार, इजहार हुसैन, मुकेश कुमार एवं नागेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल हुए। समारोह का वातावरण धार्मिक आस्था, पारंपरिक उत्साह और नए पेराई सत्र को लेकर सकारात्मक उम्मीदों से परिपूर्ण रहा। डोंगा पूजन के साथ ही सुगौली चीनी मिल प्रबंधन, कर्मियों और गन्ना किसानों के बीच आगामी सत्र को सफल बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता भी परिलक्षित हुई।

भाई दूज पर वृद्धाश्रम पहुंचे डीएम, बुजुर्गों संग बांटी खुशियां

बीएनएम @ बेतिया



बेतिया। भाई दूज के अवसर पर जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने बड़ा रमना स्थित अनाथालय परिसर में संचालित वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री वृद्धजन आश्रय स्थल योजना के तहत संचालित वृद्धाश्रम के निरीक्षण के दौरान डीएम ने वहां रह रहे वरिष्ठजनों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और हालचाल की जानकारी ली। उन्होंने भोजन, आवासन, चिकित्सा सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान बुजुर्गों ने मिठाई एवं बजरी खिलाकर डीएम का आत्मीय स्वागत किया। डीएम ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवनयापन सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर डीएम ने 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत वृद्धाश्रम परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा विकास कुमार ने वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी, जबकि अधीक्षक आदित्य कुमार मधुकर ने परिसर के विभिन्न कक्षों एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन कराया। डीएम ने आश्वासन दिया कि वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को सरकारी योजनाओं का लाभ और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए नियमित निगरानी भी की जाएगी। मौके पर वरीय उप समाहर्ता सुजीत कुमार, विकास कुमार, वृद्धाश्रम अधीक्षक आदित्य कुमार मधुकर, क्रियान्वयन समिति के सदस्य सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।

मानपुर पुलिस पर मां-बेटे की पिटाई का आरोप

बीएनएम @ बेतिया



बेतिया। जिले के मानपुर थाना क्षेत्र में पुलिस पर बुजुर्ग महिला और उसके बेटे के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। मामले में भतुहवां गांव निवासी 65 वर्षीय मीरा देवी ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एसपी को दिए आवेदन में मीरा देवी ने आरोप लगाया है कि 8 नवंबर को दोपहर करीब दो बजे मानपुर थाना की पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें, उनके 25 वर्षीय बेटे सुशील भारती तथा 23 वर्षीय बहू शुलेखा देवी को जबरन वाहन में बैठाकर थाना ले गई। महिला के अनुसार, थाना परिसर में उनकी बहू के मायके पक्ष के लोग भी मौजूद थे। आरोप है कि वहां पुलिसकर्मियों ने उनके बेटे की लाठी-डंडे से पिटाई की। विरोध करने पर महिला के साथ भी मारपीट की गई और दोनों को हाजत में बंद कर दिया गया। मीरा देवी ने यह भी आरोप लगाया है कि इसी दौरान उनकी बहू शुलेखा देवी अपने भाई अभिराम गिरी के साथ घर पहुंची और उनकी छोटी बेटी सुजाता कुमारी के विरोध के बावजूद घर में रखे सामान, कपड़े और आभूषण ले गए। महिला का दावा है कि बेटी की शादी के लिए रखे 50 हजार रुपये नकद और शादी के लिए बनवाए गए गहने भी ले लिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि शाम करीब सात बजे थाना में उनसे और उनके बेटे से जबरन सादे कागज पर हस्ताक्षर और अंगूठे का निशान कराया गया। साथ ही वीडियो बनाकर दबाव में यह कहलवाया गया कि उनके साथ मारपीट नहीं हुई है। थाना से छूटने के बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों ने मैनाटांड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराया। पीड़िता ने एसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। वहीं, मानपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार पाल ने पुलिस पर लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि शरीर पर जख्म के निशान आपसी मारपीट के हैं और थाना में किसी के साथ मारपीट नहीं की गई है।

छठ पर घर लौटने वाले प्रवासियों को फाइलेरिया से बचाव के लिए दी जाएगी दवा

हाथीपांव से पीड़ित मरीजों को मिलेगा दिव्यांगता प्रमाण पत्र, एमएमडीपी किट के उपयोग और बीमारी की देखभाल के बताए जा रहे तरीके

बीएनएम @ शिवहर



लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को गति देने की विशेष तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग आगामी सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम के तहत उन लोगों तक पहुंचने की रणनीति बना रहा है, जो पूर्व में किसी कारणवश फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन नहीं कर पाए थे। ऐसे छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को दवा खिलाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। रोजगार के सिलसिले में दूसरे राज्यों और शहरों में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग छठ पर्व के अवसर पर अपने घर लौटते हैं। इनमें ऐसे लोग भी हो सकते हैं, जो पूर्व में फाइलेरिया रोधी दवा के सेवन से वंचित रह गए हों। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण करा रहा है। आशा कार्यकर्ता छूटे हुए पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करेंगी, ताकि विशेष शिविरों के माध्यम से उन्हें दवा उपलब्ध कराई जा सके। गर्भावस्था, अस्वस्थता, बाहर रहने अथवा अन्य कारणों से पूर्व में दवा नहीं ले पाने वाले लोगों की भी पहचान की जा रही है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति फाइलेरिया से बचाव की दवा लेने से वंचित न रहे। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए सामुदायिक स्तर पर व्यापक जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पीरामल फाउंडेशन के कार्यक्रम पदाधिकारी (संचारी रोग) नवीन कुमार मिश्रा के सहयोग से ग्राम सभाओं, जीविका दीदियों और आशा कार्यकर्ताओं के बीच लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वहीं, जिले के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों में बच्चों को फाइलेरिया के लक्षण, इसके दुष्प्रभाव, बचाव के उपाय और एमडीए कार्यक्रम के दौरान दवा सेवन के महत्व की जानकारी दी जा रही है। बच्चों को इस अभियान का संदेश अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। फाइलेरिया उन्मूलन के साथ-साथ पहले से इस बीमारी से पीड़ित मरीजों की देखभाल और उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। लिम्फेडेमा (हाथीपांव) से प्रभावित मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। इसके अलावा मरीजों को एमएमडीपी (रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम) किट के सही उपयोग, प्रभावित अंगों की नियमित सफाई, स्वच्छता और स्वयं देखभाल के व्यावहारिक तरीके भी सिखाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य संक्रमण से बचाव के साथ बीमारी की गंभीरता और संभावित जटिलताओं को कम करना है। स्वास्थ्य विभाग और पीरामल फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से चल रही इन गतिविधियों का मुख्य लक्ष्य फाइलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना, दवा सेवन का दायरा विस्तृत करना और मरीजों को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना है। विभाग की अपील है कि सभी पात्र लोग फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करें और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

घोड़ासहन में दौड़ी आनंद विहार-लौकहा एक्सप्रेस

- सांसद लवली आनंद ने कहा- वादे नहीं, काम पर है भरोसा
- सांसद और डीआरएम ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को किया रवाना, हजारों लोगों ने किया स्वागत
- चर्चा में रहा कार्यक्रम से विधायक फैसल रहमान की गैर-मौजूदगी

बीएनएम @ घोड़ासहन



घोड़ासहन रेलवे स्टेशन पर आनंद विहार-लौकहा बाजार एक्सप्रेस के ठहराव की शुरुआत के साथ ही क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई। इस उपलब्धि को लेकर बुधवार को स्टेशन परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। उक्त आयोजित समारोह में शिवहर की जदयू सांसद लवली आनंद और समस्तीपुर मंडल के डीआरएम ज्योति प्रकाश मिश्र ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। ट्रेन के स्टेशन पहुंचते ही स्वागत के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद लवली आनंद ने कहा कि हम वादा कम करते हैं और काम अधिक करते हैं। घोड़ासहन में इस ट्रेन का ठहराव उनकी प्राथमिकताओं में शामिल था। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव को लेकर भी पहल जारी है। वहीं, डीआरएम ज्योति प्रकाश मिश्र ने कहा कि आनंद विहार-लौकहा बाजार एक्सप्रेस के घोड़ासहन में ठहराव से सीमावर्ती क्षेत्र के यात्रियों को दिल्ली आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि इससे पहले 21 जनवरी को भी घोड़ासहन स्टेशन पर अमृत भारत ट्रेन का ठहराव शुरू किया गया था।

विधायक फैसल रहमान की गैर-मौजूदगी बनी चर्चा का विषय-समारोह में स्थानीय विधायक फैसल रहमान की गैरमौजूदगी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। खास बात यह रही कि कार्यक्रम को लेकर स्टेशन परिसर समेत विभिन्न स्थानों पर विधायक के नाम वाले पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए थे, लेकिन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के बावजूद विधायक फैसल रहमान उक्त समारोह में कहीं भी नजर नहीं आए। वहीं, समारोह के दौरान भाजपा नेता प्रभुनारायण ने कर्मभूमि और कटरा-कामाख्या एक्सप्रेस के घोड़ासहन में ठहराव के साथ पटना के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग उठाई। वहीं, रेल यात्री संघर्ष समिति के संदीप कुशवाहा ने रक्सौल-एलटीटी और दरभंगा-खातीपुरा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। मौके पर आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप, ओपी प्रभारी सुधीर सिंह, जीआरपी प्रभारी सहदेव कुमार, सीओ अतुल कुमार बादल सहित कई अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग शामिल रहे।

छठ पर्व को लेकर पुलिस अलर्टः घाटों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ छौड़ादानो



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए छौड़ादानो पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में स्थित छठ पूजा स्थलों, नदी घाटों एवं तालाबों का लगातार निरीक्षण कर रही है। इस दौरान घाटों की भौगोलिक स्थिति, जलस्तर एवं पानी की गहराई, आवागमन के रास्तों सहित सुरक्षा से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया जा रहा है। निरीक्षण के क्रम में थानाध्यक्ष ने संबंधित छठ पूजा समितियों के सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने घाटों पर पानी की गहराई का आकलन कर सुरक्षित सीमा निर्धारित करने, खतरनाक स्थानों को चिह्नित करने तथा वहां विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। साथ ही घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, रोशनी, साफ-सफाई एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों एवं छठव्रतियों के साथ आने वाले परिजनों को गहरे पानी में जाने से रोकने की अपील की। थानाध्यक्ष ने कहा कि भीड़भाड़ वाले घाटों पर अनावश्यक धक्का-मुक्की और अफरातफरी से बचना जरूरी है। महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए। थानाध्यक्ष ने पूजा समितियों को घाटों पर पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों की तैनाती करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस एवं प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने घाटों पर आतिशबाजी, पटाखों के इस्तेमाल एवं आग से जुड़ी गतिविधियों से पूरी तरह परहेज करने की अपील करते हुए कहा कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छठ महापर्व के दौरान शांति एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्व पुलिस की निगरानी में रहेंगे। अफवाह फैलाने, उपद्रव करने अथवा आपसी भाईचारे को प्रभावित करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने आम लोगों से प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा आपसी सहयोग, संयम एवं भाईचारे के साथ छठ महापर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन पर्व को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सामूहिक सतर्कता और जनसहयोग से ही लोक आस्था का यह महापर्व हर्षोल्लास, शांति एवं सौहार्द के वातावरण में संपन्न हो सकेगा।

देश में अशांति का माहौल

मुंह मोड़ लेने से वो ठोस हकीकतें नहीं बदल जाएंगी, जिस कारण देश में अशांति का माहौल बना है। अतः बेहतर यह होगा कि सत्ता पक्ष आंदोलनकारियों से संवाद बनाते हुए उनका भरोसा हासिल करे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने विजय दशमी पर जो कहा, उसका सार है कि भारत के खिलाफ कोई बड़ी साजिश रची गई है। उन्होंने कहा कि कुछ "दानवी शक्तियां" भारत, हिंदुओं, और आरएसएस को विघटित करने की कोशिश में हैं। फ्रांस, अल्बानिया, नेपाल, बांग्लादेश आदि में हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि इनके पीछे जो शक्तियां मौजूद रही हैं, उनके निशाने पर भारत भी है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन अंदाजा लगाया गया है कि उनके निशाने पर 'कॉकरोचÓ आंदोलन से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन थे।

इसी अवसर पर प्रधानमंत्री ने भी "देश के शत्रुओं" की बात की। नरेंद्र मोदी ने उन लोगों या ताकतों को "देश का दुश्मन" बताया, जो "देश के सम्मान को नुकसान पहुंचाते हैं, समाज को बांटते हैं और भारतीय संस्कृति से घृणा करते हैं।" स्पष्टतः संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री दोनों इस समय विभिन्न जन समूहों- खासकर नौजवानों के जाहिर हो रहे असंतोष को वैध असहमति या विरोध प्रदर्शन के रूप में नहीं देखते। वे इसे 'भारत के विकासÓ के खिलाफ किसी षड्यंत्र का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि सरकार ने विरोध प्रदर्शनों के प्रति दमनकारी तरीके क्यों अपना रखे है। यह रुख इस हद तक है कि संयुक्त राष्ट्र के मानव अधिकार विशेषज्ञों की एक टीम ने 'निहत्थे छात्रों के खिलाफÓ बल प्रयोग को 'परेशान करने वाली कार्रवाईÓ बताया है। संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद के इस बयान में हाल में सात हजार से ज्यादा नौजवानों, पत्रकारों, वकीलों, राजनीतिक दलों एवं अन्य संगठनों के सदस्यों को हिरासत में लिए जाने और उनके फोन से प्रतिरोध संबंधी सामग्रियां डिलीट किए जाने की कथित "चिंताजनक" घटनाओं का जिक्र किया गया है। जाहिर है, सत्ता पक्ष जो तस्वीर पेश करना चाहता है, उसके अपने दायरे के बाहर उसकी कहीं सहज स्वीकृति नहीं है। उसे समझना चाहिए कि मुंह मोड़ लेने से वो ठोस हकीकतें नहीं बदल जाएंगी, जिस कारण देश में अशांति का माहौल बना हुआ है। अतः बेहतर नजरिया यह होगा कि सरकार आंदोलनकारियों से संवाद बनाते हुए उनका भरोसा हासिल करे।

समावेशी और टिकाऊ भारत का ताना-बाना बुनना

सुश्री रूप राशि और डॉ. नितेश धवन

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं— जो आज नामीनल जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है । आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एक-तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया असमानता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई नौकरियों को लगातार निगलते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के विजन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादी—हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ—भारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को,धीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्तर मान्यता मिल रही है।

हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तिगत स्पर्श तथा अनुकरणीय कौशल के साथ विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कौटिल्य से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कपास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कपास का उल्लेख संत के गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयां समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने 'जनसमूह द्वारा उत्पादितÓ खादी का उपयोग महात्मा गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत् होने के विशिष्ट गुणों के कारण पसंदीदा फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामान्यीकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा—स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी की – बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा स्वयं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकती है। वास्तव में, निकट-स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी पारिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है। 21वीं सदी में, केवीआईसी हमारे अधिदेश में माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान—"राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए खादी"—से प्रेरणा लेते हुए कृषि, फाइबर और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहा है।

यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रधान प्रकृति बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करती है। वितरित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहायता प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के जरिए क्षमता वृद्धि की जा रही है। देश की दो-तिहाई ग्रामीण आबादी को देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आय सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं। हाल के उपाय, जिनमें खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा अप्रैल 2025 से कताई और बुनाई की मजदूरी में वृद्धि, कार्य उपकरणों, कार्य परिस्थितियों और उपकरण संबंधी अवसंरचना में सुधार के लिए अतिरिक्त सहायता तथा विपणन संबंधी सुविधाओं को बेहतर बनाना शामिल है, कारीगरों की आय बढ़ाने और पारंपरिक आजीविकाओं को आकर्षक तथा आर्थिक रूप से सतत् बनाने पर दिए जा रहे जोर को और अधिक प्रदर्शित करते समय के साथ, विशेष रूप से पिछले एक दशक के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग (वीआई) पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार सुदृढ़ किए जाने के कारण कुल उत्पादन लगभग 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि बिक्री लगभग 8,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

आगे बढ़ते हुए, आरामदायक वस्त्र के रूप में पहचाना जाने वाला खादी अब नई श्रेणियों और फैशन स्टेटमेंट का रूप ले रहा है। इसका परिवर्तन खादी डेनिम, डिजाइनर साडियों और ब्राइडल वियर, आधुनिक शर्ट और ट्राउजर्स और रेमंड तथा पीटर इंग्लैंड जैसी मुख्यधारा की ब्रांडों के संग्रहों के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है। एमएसएमई मंत्रालय और वस्त्र मंत्रालय की संयुक्त पहल के रूप में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी (निफ्ट, दिल्ली) ने परिधानों की विभिन्न श्रेणियों, प्रिंट, बुनाई, कढ़ाई और पेंटिंग से युक्त घरेलू उत्पादों के संग्रह तथा साड़ी डिजाइनों सहित 2,129 खादी डिजाइन संग्रह विकसित किए हैं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी नॉलेज पोर्टल के माध्यम से खादी संस्थानों/इच्छुक उद्यमियों को सक्षम बनाने का कार्य जारी रखा है। शिशु परिधानों के क्षेत्र में हमारा प्रवेश इस तथ्य से प्रेरित है कि वैश्विक शिशु और बच्चों के कपड़ों का सेगमेंट बाजार के साल 2030 तक 60 अरब डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है (सीएजीआर 5–8.1 प्रतिशत के बीच), और इसमें जैविक कपास, हाइपोएलर्जेनिक कपड़ों तथा गैर-विषाक्त विनिर्माण प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। 21वीं सदी के भारत के लिए ब्रांड की स्थिति को प्रतिबिंबित करने वाले नवयुग खादी डिजाइनों को प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में खादी नॉलेज पोर्टल के साथ लॉन्च किया गया। इनमें 710 नए उत्पाद शामिल हैं, जो समकालीन और नवोन्मेषी तरीके से "नए भारत की नई खादी" को प्रस्तुत करते हैं। सभी आयु वर्गों के लोगों, जेन जी से लेकर दिल से युवा लोगों तक, को आकर्षित करने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वेलनेस/योग वियर का संग्रह 'स्वधाÓ भी लॉन्च किया गया है। खादी में रोजगार सृजन के बहुत कम निवेश की आवश्यकता होती है। खादी विकास योजना, ग्रामोद्योग विकास योजना, पीएमईजीपी जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे केवीआई संस्थानों/इकाइयों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम बनाया जा रहा है। सरकार वित्तीय सहायता, कार्यशील पूंजी की सुविधा, गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की सहायता, प्रशिक्षण, टूल-किट, मजदूरी क्षतिपूर्ति, विपणन सहायता, डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास कर रही है। अहमदाबाद स्थित ईडीआईआई द्वारा किए गए मूल्यांकन अध्ययन के अनुसार, जिसकी रिपोर्ट जनवरी 2026 में प्रस्तुत की गई, सभी योजनाओं के तहत 75 प्रतिशत से अधिक कारीगरों ने हस्तक्षेप के बाद अपनी आय में मापनीय वृद्धि बताई और उन कारीगरों के लिए वर्षभर का स्थायी रोजगार सृजित हुआ, जो पहले मौसमी या प्रवासी श्रम पर निर्भर थे। इससे वास्तव में श्रमिकों के पलायन को कम करने में मदद मिली। खाद्य प्रसंस्करण, अगरबत्ती और हनी मिशन के तहत प्रशिक्षित कारीगर सुगंधित तेल, सुगंधित मोमबत्तियों या मूल्यवर्धित शहद उत्पादों जैसे नए उत्पादों की श्रेणियों में विविधता लेकर आए हैं। इस विविधीकरण से स्थानीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के प्रति वे अधिक सुदृढ़ हुए हैं। खादी महिला सशक्तीकरण की दिशा में सीधे योगदान देती है और इस प्रकार समावेशी विकास के उद्देश्य के अनुरूप है। लगभग पांच लाख खादी कारीगरों में से करीब 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। अध्ययन के अनुसार, जीवीवाई योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी अधिक पाई गई, विशेष रूप से अगरबत्ती, हस्तनिर्मित कागज, हनी मिशन और सेवा उद्योग क्षेत्रों में। इसलिए, इस क्षेत्र में किसी भी रूप में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी ने उनके लिए सीधा पारिश्रमिक सुनिश्चित किया है, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और अपने घरों के भीतर तथा बाहर बढ़े हुए आत्मसम्मान के माध्यम से सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाओं को उत्पादक आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाकर, खादी सीधे एसडीजी 5 (स्त्री-पुरुष समानता) में योगदान देती है और साथ ही एसडीजी 10 (असमानताओं में कमी) के तहत सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने में भी सहायता करती है।

हस्तनिर्मित उद्योग की वैश्विक मांग बढ़ रही है और इसमें निर्यात की अपार संभावनाएं हैं, जिनका दोहन किया जाना आवश्यक है। पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पादों की विशाल मात्रा और विविधता के साथ भारत विश्व में एक अपरिहार्य स्थान रखता है। वैश्विक हथकरघा उत्पादन का 85 प्रतिशत भारत में होता है और इस 'अंतर्निहित मूल्यÓ का लाभ उठाकर 'अधिक प्रतिफलÓ प्राप्त किया जा सकता है।

(सुश्री रूप राशि, केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं और डॉ. नितेश धवन, केवीआईसी, मुंबई के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।)

कर्ज की आंधी में बिखरते परिवार
बाजारवाद-सामाजिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल

सनत जैन

भोपाल के मालीखेड़ी में नरेंद्र साहू (35) द्वारा अपनी मां, पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या करने के बाद स्वयं आत्महत्या कर लेने की हृदयविदारक घटना ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत के पीछे कर्ज का भारी बोझ, आर्थिक दबाव, कथित अवैध संबंध और ब्लैकमेलिंग जैसे कारण सामने आए हैं। बताया जाता है कि नरेंद्र पर इतना कर्ज था, वह प्रतिमाह लगभग 40 हजार रुपये ब्याज चुका रहा था। मकान, कार और बाइक बेचने के बाद भी वह कर्ज से मुक्त नहीं हो सका। अंततः उसने ऐसा भयावह कदम उठा लिया, जिसकी कीमत पूरे परिवार को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। यह घटना केवल एक व्यक्ति के अपराध या मानसिक तनाव की कहानी नहीं है, बल्कि बदलते भारतीय समाज की उस तस्वीर को सामने लाती है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। सवाल यह है कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है? पिछले दो दशकों में भारत में कर्ज लेने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। बैंक, वित्तीय संस्थान, निजी फाइनेंस कंपनियां और सूदखोर आसानी से कर्ज उपलब्ध करा रहे हैं। मकान, वाहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और घरेलू जरूरतों के लिए कर्ज लेना अब सामान्य बात हो गई है। समस्या तब शुरू होती है, जब व्यक्ति अपनी आमदनी से अधिक खर्च करने लगता है। दूसरों की जीवनशैली देखकर वैसी ही सुविधाएं जुटाने की होड़ में वह अपनी आर्थिक क्षमता को भूल जाता है। मोबाइल, महंगे वाहन, मकान, शादी-विवाह और सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर अनावश्यक खर्च बढ़ता चला जाता है। बाजारवाद ने हमारी जरूरतों और इच्छाओं के बीच का अंतर लगभग समाप्त कर दिया है। विज्ञापन और आसान किस्तों का आकर्षण लोगों को यह विश्वास दिलाता है, आज ही सब कुछ हासिल किया जा सकता है, भुगतान बाद में हो जाएगा। नतीजा यह है कि कई परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तों और ब्याज में खर्च कर रहे हैं। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना पड़ रहा है। धीरे-धीरे व्यक्ति कर्ज के ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाता है, जिससे बाहर निकलना मुश्किल और नामुमकिन हो जाता है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है, जब बैंकिंग व्यवस्था से बाहर ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज देने वाले सूदखोर आर्थिक मजबूरी का फायदा उठाते हैं। किस्त नहीं चुका पाने के कारण बैंक का ब्याज भी बहुत तेजी के साथ बढ़ता चला जाता है। प्रताड़ना, धमकी, ब्लैकमेलिंग और लगातार वसूली का दबाव व्यक्ति को मानसिक रूप से तोड़ देता है। हालांकि आर्थिक संकट किसी भी परिस्थिति में हत्या या आत्महत्या को उचित नहीं ठहरा सकता, ऐसी घटनाओं के पीछे मौजूद सामाजिक और आर्थिक कारणों को समझना जरूरी है। तभी इसका समाधान निकाला जा सकता है।

समस्या का समाधान केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, सामाजिक संगठन, धार्मिक संस्थाएं और वित्तीय संस्थान सभी को अपनी भूमिका तय करनी होगी। सबसे पहले स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता की शिक्षा दी जानी चाहिए, युवा पीढ़ी आमदनी, बचत, ब्याज और कर्ज के वास्तविक अर्थ को समझ सकें। परिवारों में दिखावे के बजाय बचत और आवश्यकता के अनुसार खर्च करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। सरकार को अवैध सूदखोरी, बैंकों द्वारा कर्ज एनपीए होने पर जुर्माना ब्याज पर ब्याज वसूलने के नियमों को सरल बनाना होगा। गुंडागर्दी के बल पर कर्ज की वसूली को रोकने का कानून बनना होगा। कानून का पालन नहीं होने पर सरकार को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। कर्ज में फंसे परिवारों के लिए परामर्श केंद्र, कानूनी सहायता और ऋण पुनर्गठन की व्यवस्था होनी चाहिए। बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को भी कर्ज देने से पहले व्यक्ति की वास्तविक भुगतान क्षमता का आकलन करना चाहिए। आर्थिक संकट से गुजर रहे, लोगों के लिए गोपनीय मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और सहायता की व्यवस्था भी जरूरी है। सामाजिक और धार्मिक संगठनों को भी विवाह, सामाजिक समारोह और पारिवारिक आयोजनों में फिजूलखर्ची रोकने के लिए अभियान चलाना चाहिए। समाज में प्रतिष्ठा का पैमाना महंगी गाड़ी, बड़ा मकान और ब्रांडेड सामान नहीं, बल्कि ईमानदार जीवन, आर्थिक आत्मनिर्भरता और पारिवारिक खुशहाली होना चाहिए। आज सबसे बड़ा सवाल यह है, क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कर्ज लेकर जीने की संस्कृति सौंपना चाहते हैं, या उन्हें अपनी आमदनी में खुश रहना सिखाना चाहते हैं? आर्थिक विकास का अर्थ केवल बाजार में बढ़ती खरीदारी और बैंकों के बढ़ते कर्ज का आंकड़ा नहीं हो सकता। वास्तविक विकास वह है, जिसमें परिवार सुरक्षित हों, बच्चों का भविष्य बेहतर हो, परिवार में खुशी हो, किसी व्यक्ति को आर्थिक परेशानी के कारण जीवन समाप्त करने जैसा विचार न आए। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह की घटनाओं की बाढ़ आ गई है। भोपाल की यह त्रासदी गंभीर चेतावनी है। समय रहते बाजारवाद, दिखावे और कर्ज की अंधी दौड़ पर सामाजिक नियंत्रण नहीं किया गया तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। इस समय धर्म को भी धंधा बनाया जा रहा है। धर्म की आड़ में लोगों को पूंजीवादी व्यवस्था की ओर मोड़ा जा रहा है। यह भी सबसे खतरनाक स्थिति है। सरकार और समाज दोनों को मिलकर यह संकल्प लेना होगा, आर्थिक समृद्धि के साथ मानवीय संवेदनाएं और पारिवारिक सुरक्षा प्राथमिकता बनें।

मत्स्य पालन से समृद्ध हो रही सरगुजा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था
किसानों और महिलाओं के लिए खुल रहे स्वरोजगार के नए अवसर

सौरभ

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में अब खेतों और तालाबों के साथ आजीविका डबरियां, जलाशय और अमृत सरोवर भी किसानों तथा ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का माध्यम बन रहे हैं। खेती और पशुपालन के साथ मत्स्य पालन को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आय के स्रोत बढ़ा रहे हैं। सरगुजा जिले में शासन की विभिन्न योजनाओं, मत्स्य पालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और स्थानीय जल संसाधनों के बेहतर उपयोग से आजीविका के नए अवसर विकसित हो रहे हैं। कहीं मछुआरा सहकारी समितियों के सैकड़ों सदस्य सामूहिक मत्स्य पालन से अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रहे हैं, तो कहीं किसान डबरी में मछली पालन के साथ सब्जी उत्पादन और सिंचाई का लाभ उठा रहे हैं। वहीं स्व-सहायता समूहों की महिलाएं अमृत सरोवरों में मछली पालन कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मिलने वाली अनुदान सहायता और विभागीय मार्गदर्शन से मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के अवसर बढ़ रहे हैं। सरगुजा जिले में पारंपरिक जलाशयों से लेकर आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक तक मत्स्य पालन के विविध स्वरूप सामने आ रहे हैं। इन प्रयासों की विशेषता यह है कि ग्रामीण परिवार उपलब्ध भूमि और जल संसाधनों का उपयोग एक से अधिक आजीविका गतिविधियों के लिए कर रहे हैं।

घुनघुट्टा जलाशय बना 381 मछुआरों की आजीविका का आधार : सरगुजा जिले का घुनघुट्टा जलाशय सामूहिक मत्स्य पालन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को आजीविका उपलब्ध कराने का उदाहरण है। यहां आदिवासी मछुआ सहकारी समिति, कलगसा के 381 सदस्य मत्स्य पालन से जुड़े हुए हैं। समिति को जलाशय 10 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर उपलब्ध कराया गया है, जिससे सदस्य संगठित रूप से मत्स्य उत्पादन की गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। जलाशय में मछली पालन से जुड़े कार्य इन परिवारों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बने हुए हैं। समिति के अध्यक्ष श्री राम बिलोच राम बताते हैं कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछली बीज के लिए 7 लाख 62 हजार रुपये की अनुदान सहायता मिलती है। इस सहयोग से जलाशय में मत्स्य उत्पादन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। सहकारी समिति के माध्यम से सामूहिक प्रयासों का लाभ बड़ी संख्या में मछुआरा परिवारों तक पहुंच रहा है। घुनघुट्टा जलाशय का यह उदाहरण दर्शाता है कि उपलब्ध जल संसाधनों का योजनाबद्ध उपयोग और सहकारी व्यवस्था ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर विकसित करने में सहायक हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित आजीविका डबरियां अब केवल वर्षा जल संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों के लिए अतिरिक्त आय का माध्यम भी बन रही हैं। इन डबरियों में वर्षा जल का संचय कर किसान मछली पालन कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन तथा फसलों की सिंचाई में भी कर रहे हैं। इससे एक ही संसाधन का उपयोग कई आर्थिक गतिविधियों के लिए संभव हो रहा है। लखनपुर विकासखंड के किसान श्री शिवबालक ने अपनी आजीविका डबरी में कतला, रोहू, मृगल और ग्रास कार्प प्रजाति की मछलियों का पालन किया। उन्होंने लगभग दो क्विंटल मछली की बिक्री कर 20 से 25 हजार रुपये की आमदनी प्राप्त की। मछली पालन के साथ वे डबरी में संचित पानी का उपयोग सब्जी उत्पादन के लिए भी करते हैं। इस प्रकार डबरी उनके लिए जल संरक्षण, मत्स्य पालन और खेती को जोडऩे वाला उपयोगी संसाधन बन गई है। इसी तरह बतौली विकासखंड के किसान श्री लक्ष्मी प्रसाद ने डबरी में मछली पालन से लगभग एक लाख रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने करीब 20 क्विंटल मछली उत्पादन का आकलन किया है। डबरी में उपलब्ध पानी का उपयोग वे साग-सब्जी और गेहूं की सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। मत्स्य पालन से प्राप्त आय और सिंचाई की सुविधा ने उनके कृषि कार्यों को अतिरिक्त सहारा दिया है। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि जल संरक्षण के लिए विकसित संरचनाओं को आजीविका गतिविधियों से जोडऩे पर किसानों को अतिरिक्त आर्थिक अवसर मिल सकते हैं। सरगुजा जिले में आजीविका डबरियों के माध्यम से मत्स्य पालन का विस्तार अन्य ग्रामीण परिवारों तक भी हो रहा है। अम्बिकापुर विकासखंड की श्रीमती जोशमनि एक्का के परिवार ने 2 लाख 99 हजार रुपये की लागत से निर्मित डबरी में मछली पालन शुरू किया है। वहीं लखनपुर विकासखंड के किसान श्री कनी लाल बड़ा ने अपनी डबरी में 9 किलोग्राम मछली बीज डालकर मत्स्य पालन को सब्जी उत्पादन से जोड़ा है। इन गतिविधियों से परिवारों को खेती के साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने की संभावनाएं मिल रही हैं। ग्राम लोसगी के पहाड़ी कोरवा किसान श्री ठिबुल राम ने भी आजीविका डबरी का बहुउद्देशीय उपयोग शुरू किया है। उन्होंने डबरी में 17 किलोग्राम मछली बीज डाला है। इसके साथ ही डबरी की मेड़ों पर अरहर, आम, मुनगा और नींबू के पौधे लगाए हैं। उनका प्रयास मछली पालन के साथ कृषि एवं बागवानी गतिविधियों को जोडऩे का उदाहरण है। मछलियों की बढ़वार और पौधों के विकसित होने के बाद इन गतिविधियों से परिवार को अतिरिक्त आय मिलने की संभावना है। इस प्रकार डबरी केवल जल संग्रहण की संरचना नहीं रहकर विविध आजीविका गतिविधियों का आधार बन रही है। अमृत सरोवर में मछली पालन से महिलाओं को मिला स्वरोजगार का अवसरः सरगुजा जिले में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भी मत्स्य पालन के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। बतौली विकासखंड की ग्राम पंचायत बिरीमकेला में ज्योति स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने अमृत सरोवर में सामूहिक रूप से मछली पालन शुरू किया है। समूह की सदस्य श्रीमती रजनी चौहान बताती हैं कि महिलाओं ने पहली बार लगभग 15 किलोग्राम मछली की बिक्री कर आमदनी प्राप्त की। इस शुरुआती सफलता से उत्साहित होकर समूह ने दोबारा मछली बीज डाला है और मत्स्य पालन की गतिविधि को आगे बढ़ाया है। महिलाओं के लिए यह पहल केवल अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर नहीं, बल्कि सामूहिक उद्यमिता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। समूह के माध्यम से काम करने पर महिलाएं मछली बीज संचयन, देखभाल, उत्पादन और बिक्री जैसी गतिविधियों में अपनी भागीदारी बढ़ा सकती हैं। अमृत सरोवर जैसे सामुदायिक जल संसाधनों का आजीविका के लिए उपयोग ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोडऩे और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की संभावनाएं विकसित कर रहा है। पारंपरिक तालाबों और जलाशयों के साथ आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक भी सरगुजा जिले में मत्स्य पालन के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। इस तकनीक के माध्यम से सीमित स्थान में नियंत्रित परिस्थितियों के अंतर्गत मछली पालन किया जा सकता है। विशेष रूप से ऐसे हितग्राहियों के लिए यह पद्धति उपयोगी हो सकती है, जिनके पास बड़े तालाब उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन वे अपनी भूमि पर व्यावसायिक मत्स्य पालन शुरू करना चाहते हैं। श्रीमती चंपा मंडल ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 14 लाख रुपये की लागत से बायोफ्लॉक इकाई स्थापित की है। इसके लिए उन्हें 8 लाख 40 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

आज का राशिफल

मेष राशिःआज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के मंत्रियों की विदेशी यात्राएं हो सकती हैं। किसी बात को लेकर भाई-बहन से विचार-विमर्श करेंगे। आज किसी से भी बेवजह उलझने से आपको बचना चाहिए। इस राशि के जो लोग टेक्सटाइल का काम कर रहे हैं, आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

वृष राशिःआज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। कई दिनों से रुका हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बना रहेगा। अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढऩे की प्रेरणा आपको मिलेगी।

मिथुन राशिःआज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा।

कर्क राशिःआज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है, समाज हित में किए गए कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। महिलाएं अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बनाकर खिला सकती हैं, दोनों के बीच रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। परिवार में स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह राशिःआज आपका दिन ठीक रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए, इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं।

कन्या राशिःआज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा से रिलेटेड कोई शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बिताएंगे। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी। आज आपको किसी खास व्यक्ति का सहयोग मिलेगा।

तुला राशिःआज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बिजनेस में आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्गों की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढिय़ा है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी। लकी नंबरः 9

वृश्चिक राशिःआज का दिन उत्तम रहने वाला है। आज किसी

आईपीएल 2027 : हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़े

एजेंसी, नई दिल्ली



टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से पहले खिलाड़ियों के बड़े ट्रेड के तहत मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल होंगे, जबकि भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच यह बड़ा खिलाड़ी ट्रेड पूरा हो गया है। हार्दिक पांड्या के इस फैसले के साथ मुंबई इंडियंस के साथ उनका दूसरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ चार बार आईपीएल खिताब जीत चुके हैं। हार्दिक पहली बार 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने खुद को लीग के सबसे प्रभावशाली ऑलराउंडरों में स्थापित किया। मुंबई की खिताबी जीत में उन्होंने 2015, 2017, 2019 और 2020 में अहम योगदान दिया। मुंबई के साथ सात सत्र बिताने के बाद हार्दिक आईपीएल 2022 से पहले गुजरात टाइटंस में चले गए थे। वहां उन्होंने कप्तान के रूप में पहले ही सत्र में टीम को खिताब दिलाया। गुजरात की टीम 2023 में भी फाइनल तक पहुंची। इसके बाद हार्दिक 2024 में मुंबई इंडियंस में लौटे और टीम की कप्तानी संभाली। हार्दिक ने अब तक 162 आईपीएल मैचों में 146.28 के स्ट्राइक रेट से 2,955 रन बनाए हैं और 82 विकेट भी हासिल किए हैं। उनका यह प्रदर्शन उन्हें एक अनुभवी और मैच जिताने वाले खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है। वहीं, अर्शदीप सिंह आठ सत्र तक पंजाब किंग्स के साथ रहने के बाद मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। उन्होंने 2019 में पंजाब की ओर से ही आईपीएल में पदार्पण किया था और धीरे-धीरे प्रतियोगिता के प्रमुख बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में अपनी जगह बनाई। अर्शदीप ने 96 आईपीएल मैचों में 111 विकेट लिए हैं और वह पंजाब किंग्स के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। नई गेंद से शुरुआती विकेट निकालने और पारी के अंतिम ओवरों में दबाव के बीच गेंदबाजी करने की उनकी क्षमता पंजाब के लिए बेहद उपयोगी रही है। अर्शदीप ने आईपीएल 2025 में 21 विकेट लिए थे, जबकि 2026 के सत्र में उनके नाम 14 विकेट रहे। उनकी बाएं हाथ की तेज गेंदबाजी और पारी के अलग-अलग चरणों में प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देगी। इस ट्रेड के तहत हार्दिक पांड्या 18 करोड़ रुपये की फीस पर पंजाब किंग्स से जुड़ेंगे। मुंबई इंडियंस में उनकी मौजूदा फीस 16.35 करोड़ रुपये थी। वहीं, अर्शदीप सिंह अपनी मौजूदा 18 करोड़ रुपये की फीस पर ही मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : लिंडा नोस्कोवा ने कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, इंडियन वेल्स



विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए कोको गॉफ को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, जेसिका पेगुला ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को हराकर अंतिम चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। चेक गणराज्य की आठवीं वरीयता प्राप्त नोस्कोवा ने ग्रुप-1 के मुकाबले में गॉफ को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। उन्होंने गॉफ की कमजोर सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में चार बार उनकी सर्विस तोड़ी और 6-3 से सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट की शुरुआत में भी नोस्कोवा ने निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने मैच में अपना नौवां ऐस लगाते हुए मुकाबला समाप्त किया और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जीत के बाद नोस्कोवा ने कहा, "मैं बहुत खुश हूं। इस प्रतियोगिता में हर जीत महत्वपूर्ण है। कोको एक बड़ी प्रतिद्वंद्वी हैं, इसलिए मुझे आज हर तरह की चुनौती के लिए तैयार रहना था।" उन्होंने कहा, "कोको के खिलाफ आखिरी अंक तक खेलना होता है, क्योंकि वह अपनी सर्विस और संघर्ष करने की क्षमता से किसी भी समय वापसी कर सकती हैं। मुझे लगा कि मैंने उन पर दबाव बनाने के लिए शानदार खेल दिखाया।" नोस्कोवा ने रविवार को अपने शुरुआती ग्रुप मुकाबले में यूक्रेन की कोस्त्युक को भी हराया था।

दूसरी ओर, अमेरिका की जेसिका पेगुला ने उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में कोस्त्युक को 6-2, 7-5 से हराया। इस हार के साथ कोस्त्युक टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अब ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाले अंतिम खिलाड़ी के लिए कोको गॉफ और पेगुला के बीच मुकाबला होगा। पेगुला को अपने शुरुआती मुकाबले में रविवार को गॉफ के हाथों हार मिली थी। लेकिन मंगलवार को उन्होंने शानदार वापसी करते हुए कोस्त्युक को मात दी। जीत के बाद पेगुला ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रही हूं। कोको के खिलाफ मेरा मुकाबला काफी उच्च स्तर का था और आज का मैच भी शानदार रहा।" कोस्त्युक की खेल शैली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, "उनके खिलाफ खेलना काफी मुश्किल है, क्योंकि आप नहीं जानते कि अगले पल क्या होने वाला है।

मप्र के भोपाल में 19 नवंबर से होगा एशियन महिला हॉकी का महासंग्राम, मंत्री सारंग ने लोगो और ट्रॉफी का किया अनावरण

एजेंसी, भोपाल



मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक पहली बार एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल-2026 का आयोजन होगा, जिसमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की छह शीर्ष टीमें हिस्सा लेंगी। प्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में ट्रॉफी के आधिकारिक लोगो और ट्रॉफी अनावरण के साथ ट्रॉफी टूर का शुभारंभ किया। मंत्री सारंग ने इस अवसर पर कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव और प्रतिष्ठा का विषय है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल पहली बार इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रही है। एशियन हॉकी फेडरेशन एवं हॉकी इंडिया के सहयोग से मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 19 से 28 नवंबर 2026 तक अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बरखेड़ा नाथू, भोपाल में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। लगभग पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले अत्याधुनिक हॉकी स्टेडियम में दर्शकों के लिए एंट्री फ्री रहेगी। वर्ल्ड रैंकिंग की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की गरिमामयी उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रथम चरण का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में एशिया की 6 शीर्ष महिला हॉकी टीमें भारत, जापान, चीन, मलेशिया, कोरिया और थाईलैंड की लगभग 150 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगी। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल अधोसंरचना के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं।

बाली में शुरू हुई आईसीसी बोर्ड और समिति की बैठकें, क्रिकेट के भविष्य पर होगी चर्चा

एजेंसी, बाली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बोर्ड और समितियों की बैठकें बुधवार से इंडोनेशिया के बाली में शुरू हो गईं। 11 से 15 नवंबर तक चलने वाले इन बैठकों के कार्यक्रम में दुनिया भर से आईसीसी बोर्ड और समिति के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। वर्ष 2026 की ये अंतिम बैठकें आईसीसी और आईबीसी बोर्ड की बैठकों के साथ संपन्न होंगी। इन बैठकों में क्रिकेट के भविष्य, प्रतियोगिताओं, प्रारूपों, व्यावसायिक स्थिरता और खेल के वैश्विक विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आईसीसी की रणनीति के अनुरूप दुनिया भर में क्रिकेट के प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और खेल की लोकप्रियता को व्यापक बनाने के लिए सदस्य देशों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह और प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति की पहली सिफारिशों पर भी चर्चा होगी। इन दोनों समितियों का गठन जुलाई 2026 में आईसीसी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान किया गया था।

फ्रेंचाइजी लीग समीक्षा समूह का उद्देश्य मौजूदा आईसीसी मान्यता और नियमन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार करना है। इसके तहत फ्रेंचाइजी लीग की बढ़ती संख्या से पैदा हो रही नई चुनौतियों के बीच क्रिकेट के पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक सुरक्षित और मजबूत बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। वहीं, प्रशासनिक व्यवस्था समीक्षा समिति आईसीसी के प्रशासनिक ढांचे की विस्तृत समीक्षा के बाद अपनी शुरुआती सिफारिशें पेश करेगी। बैठकों में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2027-29 और 2029-31 चक्र के मुकाबलों का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके अलावा 2028 से 2035 तक होने वाले आईसीसी के सभी प्रमुख पुरुष आयोजनों के आयोजन की समय-सीमा को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कई क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं पर भी विचार किया जाएगा। आईसीसी विकास समिति ने इन आयोजनों के लिए क्वालीफिकेशन की ऐसी रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हर चरण में मुकाबलों की प्रतिस्पर्धात्मकता और महत्ता बढ़े। इसका विशेष लाभ उभरते हुए क्रिकेट देशों को मिलने की उम्मीद है। अफगानिस्तान की शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए गठित कार्यबल भी विकास पथ कार्यक्रम के अगले चरणों से जुड़े प्रस्ताव आईसीसी बोर्ड के सामने रखेगा। इसके साथ ही आईसीसी की निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) मान्यता कार्यक्रम पर भी मुख्य कार्यकारी समिति और आईसीसी बोर्ड में विचार किया जाएगा।

बिजनेस

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तूफानी तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली



दिवाली बलि प्रतिपदा की छुट्टी के बाद आज खुले घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान तूफानी तेजी का माहौल बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी के बीच आज भारतीय बाजार की शुरुआत शानदार बढ़त के साथ हुई। बाजार खुलते ही खरीदारों ने बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और रिटेल सेक्टर के दिग्गज शेयरों में चौतरफा लिवाली का जोर बना दिया।

इस जबरदस्त खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों की तेजी लगातार बनी रही। बाजार में लगातार जारी लिवाली के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.49 प्रतिशत और निफ्टी 50 सूचकांक 1.26 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 1,142.03 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की दमदार छलांग लगा कर 82,248.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफावसूली का मामूली दबाव बनने के कारण यह सूचकांक शुरुआती मिनटों में फिसल कर 81,969.91 अंक के निचले स्तर तक आया। इसके तुरंत बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जैसे दिग्गज शेयरों में आई बंपर तेजी से बाजार को बड़ा बूस्ट मिला। लगातार हो रही खरीदारी के दम पर सेंसेक्स उछल कर 82,520.40 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले सुबह 10:30 बजे का सत्र बीतने के बाद सेंसेक्स 1,211.25 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 82,317.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 ने भी आज 293.15 अंक यानी 1.17 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 25,337.80 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के मामूली झटके से यह सूचकांक फिसल कर 25,263.80 अंक के निचले स्तर तक गया। लेकिन कुछ देर बाद ही दिग्गज शेयरों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते निफ्टी 25,424.35 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 50 सूचकांक 314.85 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,359.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 3,046 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,471 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 575 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर दो शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और छह शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

आज सुबह के शुरुआती कारोबारी सत्र में स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में इंटरग्लोब एविएशन 4.47 प्रतिशत की तूफानी बढ़त के साथ 5,672.70 रुपये के भाव पर सबसे आगे बना हुआ था। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.83 प्रतिशत उछल कर 3,416.50 रुपये, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 2.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,065.75 रुपये, एक्सिस बैंक 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,339.40 रुपये और ट्रेंट लिमिटेड 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,187 रुपये के स्तर पर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर, बाजार की इस जोरदार तेजी के बीच भी बिकवाली के दबाव में फंसे टॉप लूजर्स में केवल तीन दिग्गज कंपनियां ही शामिल रहीं। इनमें डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,376.80 रुपये के भाव पर सबसे आगे चल रहा था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली



ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान महंगाई के ऊंचे आंकड़ों के कारण गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है, जिसमें ज्यादातर प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी भी आज सुबह अच्छी बढ़त दिखा रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट पर बिकवाली का दबाव रहा। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहे। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा अगले महीने ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने और सख्त रुख अपनाने की चिंता बढ़ गई। इस दबाव के कारण मंगलवार को डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 157.86 अंक यानी 0.30 प्रतिशत गिर कर 52,231.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स भी 29.01 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,520.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 187.26 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 25,065.87 अंक के स्तर पर आ गया। हालांकि, डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज सुबह फिलहाल 103.09 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 52,334.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख बना रहा। फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 77.20 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज करते हुए 8,310.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

इसी तरह जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स भी 80.26 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,347.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत, ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में बिकवाली का दबाव रहा, जिसके चलते यह सूचकांक 31.28 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,751.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। ग्लोबल मार्केट के इन मिले-जुले संकेतों के बीच एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से छह के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में काम कर रहे हैं। वहीं, तीन सूचकांक दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए हैं। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाला गिफ्ट निफ्टी आज सुबह 106.50 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,435 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

कमोडिटी मार्केट में सोना-चांदी और क्रूड में तेजी का रुख, बेस मेटल सेगमेंट में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू कमोडिटी मार्केट (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज-एमसीएक्स) में आज शुरुआती सत्र के दौरान शानदार तेजी का माहौल बना हुआ है। भाई दूज के मौके पर आज सर्राफा बाजार में हाजिर सोने के भाव में गिरावट का रुख बनने के बावजूद कमोडिटी मार्केट में सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हरे निशान में कारोबार कर रही हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी हल्की रिकवरी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल सेगमेंट में आज मिला-जुला रुख देखने को मिल रहा है। सर्राफा बाजार की बात करें तो आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। शुरुआती कारोबार के बाद सुबह 11 बजे तक सोना वायदा 1,365 रुपये यानी लगभग 1 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता हुआ देखा गया। इसी तरह चांदी के भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल चांदी वायदा 4,925 रुपये यानी 2.70 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा कर 1,87,501 रुपये प्रति किलोग्राम के दिन के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया है। एनर्जी मार्केट और क्रूड ऑयल सेगमेंट में पिछले सत्र की भारी गिरावट के बाद आज सुबह के सत्र में कुछ रिकवरी देख होती हुई नजर आ रही है। मध्य एशिया में कमर्शियल वेसेल्स और ऑयल टैंकर्स पर हुए ताजा हमलों की खबर से अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीदों को झटका लगा है।

भाई दूज के दिन फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज भाई दूज के दिन सोने के भाव में कमजोरी नजर आ रही है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह चमकीली धातु आज भी सोमवार के भाव पर ही कारोबार कर रही है। कीमत में बदलाव होने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,42,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

फॉरेक्स मार्केट में भारतीय मुद्रा की बढ़त जारी, शुरुआती कारोबार में डॉलर समेत दूसरी प्रमुख मुद्राओं की तुलना में मजबूत हुआ रुपया

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार (फॉरेक्स मार्केट) में आज शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शानदार मजबूती दर्ज की है। घरेलू शेयर बाजार में आई तूफानी तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से मिल रहे मजबूत सपोर्ट के दम पर भारतीय करेंसी में यह उछाल देखने को मिल रहा है। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय रुपया पिछले बंद भाव 93.9400 के मुकाबले 0.2525 रुपये यानी 0.27 प्रतिशत मजबूत होकर 93.6875 प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज सुबह इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय रुपया 21 पैसे की अच्छी बढ़त के साथ 93.73 प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही आयातकों की सामान्य डॉलर मांग के चलते रुपया एक समय फिसल कर 93.8825 के निचले स्तर तक भी गया। लेकिन इसके तुरंत बाद विदेशी फंड्स की ओर से इक्विटी मार्केट में लगातार हो रहे डॉलर के इनफ्लो से रुपये ने शानदार वापसी की और यह मजबूत होकर 93.67 के इंट्रा-डे उच्च स्तर तक पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के साथ-साथ आज सुबह दुनिया की अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में भी भारतीय रुपया जोरदार बढ़त बनाने में कामयाब रहा है। ब्रिटिश पॉन्ड (जीबीपी) के खिलाफ भारतीय रुपये में आज शानदार मजबूती का रुख बना हुआ है।

मीनाक्षी ने अपनी मातृभाषा तमिल के प्रति व्यक्त किया असीम प्रेम



हाल ही में मशहूर अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी पारिवारिक जड़ों और मातृभाषा तमिल के प्रति असीम प्रेम व्यक्त करते हुए एक विशेष नृत्य रील जारी की है। मीनाक्षी ने तमिल भाषा को समर्पित यह खास नृत्य प्रदर्शन तैयार किया है। इस विशेष रील को उनके प्रशंसकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। मीनाक्षी ने अपने मनमोहक नृत्य भंगिमाओं और भावपूर्ण अभिव्यक्तियों से इस वीडियो में चार चांद लगा दिए हैं। उनके चेहरे पर दिखने वाले भाव नृत्य को एक नई गहराई प्रदान करते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। मीनाक्षी ने अपनी इस पहल के पीछे के भाव को साझा करते हुए कहा कि तमिल उनके परिवार की मातृभाषा है। उन्हें महसूस हुआ कि त्योहारों के इस शुभ मौसम में अपनी भाषा को नृत्य के माध्यम से समर्पित करना एक सुंदर और सार्थक कार्य होगा। उन्होंने सैन जोस, कैलिफ़ोर्निया में गर्मियों के दौरान इस रोमांटिक और खूबसूरत नृत्य रील को फिल्माने के अनुभव को भी अत्यंत शानदार बताया। वीडियो में मीनाक्षी गुलाबी साड़ी में पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आती हैं। उन्होंने गले में स्वर्ण हार, मैचिंग झुमके और चूड़ियां पहनी हुई हैं। उनके केशों में सजे गजरे ने उनके समग्र लुक को और भी आकर्षक बना दिया है, जो भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करता है। मीनाक्षी शेषाद्रि का जन्म झारखंड के वर्तमान धनबाद जिले के सिंदरी में एक तमिल भाषी परिवार में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1981 में प्रतिष्ठित मिस इंडिया का खिताब अपने नाम किया और इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई। वह 80 और 90 के दशक की हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और सफल अभिनेत्रियों में से एक रहीं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई।

उनकी फिल्मोग्राफी में कई यादगार फिल्में शामिल हैं जिन्होंने उन्हें एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1995 में विवाह उपरांत उन्होंने अमेरिका के टेक्सास स्थित डलास में अपना निवास बना लिया। हालांकि, कुछ वर्षों बाद उन्होंने मुंबई लौटकर एक बार फिर अपनी रचनात्मक दुनिया से जुड़ने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनके कला के प्रति असीम प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। अभिनेत्री अक्सर अपने पुराने लोकप्रिय गानों पर आधारित नृत्य रील के माध्यम से उन्हें दोबारा रीक्रिएट करती रहती हैं। इन प्रस्तुतियों के जरिए उनके प्रशंसक उनके नृत्य कौशल और शानदार अंदाज की झलक फिर से देख पाते हैं, जिससे वे लगातार अपने दर्शकों से जुड़ी रहती हैं।

रश्मिका मंदाना और विजय की आलोचना करने वालों पर भड़के करण जौहर

पूछा–तुम क्या काउंसलर हो?

करण जौहर ने रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा का समर्थन किया है। उन्होंने लोगों पर कपल के रिश्ते को जज करने और इससे भी ज्यादा, उनके परिवारों को इस चर्चा में घसीटने के लिए जमकर खरी-खोटी सुनाई। फिल्ममेकर ने सवाल किया कि लोग क्यों मानते हैं कि उन्हें यह तय करने का हक है कि एक कपल को अपने रिश्ते में कैसा बर्ताव करना चाहिए। बता दें, रश्मिका और विजय हाल ही में कॉफी विद करण 9 में पहुंचे थे। करण ने कहा, "सबको अपनी राय रखने का हक है। लेकिन जब आप उन्हें यह बताना शुरू करते हैं कि उस रिश्ते में क्या करना है, तो मुझे बड़ी दिक्कत होती है। आप कौन हैं? क्या आप काउंसलर हैं? क्या आप वकील हैं? क्या आप उनके परिवार के सदस्य हैं? आप उनके परिवारों पर टिप्पणी कर रहे हैं। आप किसी भी सेलिब्रिटी पर अपनी राय रख सकते हैं। उनके परिवारों को नीचा मत दिखाओ।" फिल्ममेकर ने याद किया कि कैसे दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को कॉफी विद करण 8 में आने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि उस वक्त भी कपल के रिश्ते और शादी के बारे में उनकी बातें चर्चा का विषय बन गईं, और कई लोगों ने उनके इक्वेशन पर सवाल उठाए थे। करण ने रश्मिका और विजय के रिश्ते और उनकी ईमानदारी की तारीफ की और ट्रोलर्स से इस बात की तारीफ करने को कहा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब रश्मिका और विजय कॉफी विद करण 9 में शामिल हुए थे। एक बातचीत के दौरान, अभिनेता ने मजेदार अंदाज में खुलासा किया था कि शादी से पहले रश्मिका ने उनसे 100 बार शादी के लिए पूछा था। इसके बाद वह राजी हुए। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया था और रेड फ्लैग घोषित किया था। हालांकि, कपल ने आलोचनाओं का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

ट्रोलर्स को लगाई फटकार; दीपिका-रणवीर का भी किया जिक्र

करण जौहर ने हाल ही में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के रिश्ते पर हो रही ट्रोलिंग की तीखी आलोचना की है। फिल्ममेकर ने साफ कहा है कि लोगों को सेलिब्रिटीज के निजी जीवन पर टिप्पणी करने और उनके परिवारों को इस दायरे में खींचने का कोई हक नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि सोशल मीडिया यूजर्स खुद को किसी का काउंसलर या वकील समझने की भूल क्यों करते हैं। यह पूरा विवाद 'कॉफी विद करण 9' के उस एपिसोड के बाद शुरू हुआ जिसमें रश्मिका और विजय ने बतौर मेहमान शिरकत की थी। शो के दौरान अभिनेता ने मजाक में खुलासा किया था कि रश्मिका ने उनसे शादी के लिए कई बार पूछा था, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर बेरहमी से ट्रोल किया जाने लगा था और यूजर्स ने उन्हें 'रेड फ्लैग' करार दिया था। करण ने इससे पहले दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को भी इसी तरह की आलोचनाओं का सामना करने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रशंसकों और नेटिजन्स को कलाकारों के काम की सराहना करनी चाहिए, न कि उनके निजी रिश्तों या पारिवारिक समीकरणों पर फैसले सुनाने चाहिए। कपल ने भी इन आलोचनाओं का डटकर सामना किया है।



जैकी चैन की नकल करना पड़ा था भारी, स्टंट के दौरान कमल हासन को झेलने पड़े 32 फ्रैक्चर

बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया।

दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी



दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। नायकन, सदमा, पुष्पक, हे राम, विश्वरूपम और विक्रम जैसी उनकी फिल्में उनकी अभिनय क्षमता और सिनेमाई दृष्टि के अलग-अलग रंगों को उजागर करती है।

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान

45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि फिटनेस का अंतिम लक्ष्य केवल जिम में



भारी वजन उठाना, आकर्षक मांसपेशियां बनाना या किसी खास शारीरिक बनावट को प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। इसके बजाय, यह बढ़ती उम्र के साथ भी स्वतंत्र रूप से, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ चलने-फिरने की क्षमता को बनाए रखने के बारे में अधिक है। सोहा ने इस बात पर विशेष बल दिया कि ताकत का सही मायने में संबंध सिर्फ वजन उठाने की क्षमता से नहीं, बल्कि शरीर की समग्र चलने-फिरने की क्षमता और गतिशीलता से भी होता है। अपनी प्रेरणादायक बातों को जारी रखते हुए उन्होंने कहा, 45 साल की उम्र में व्यायाम करना शुरू करें, ताकि 75 साल की उम्र में आपका जीवन आसान और सहज महसूस हो। उन्होंने अपने प्रशंसकों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को भी एक चुनौती दी: अब, आपके लिए यह चुनौती है: इसे स्वयं आजमाएं! क्या आप बिना हाथों का इस्तेमाल किए फर्श से उठ सकते हैं? एक बार कोशिश करें, अपना वीडियो बनाएं और अपने अनुभव साझा करें। आइए देखते हैं हममें से कितने लोग इसे सफलतापूर्वक कर पाते हैं! सोहा अली खान का मानना है कि वास्तविक ताकत का मतलब सिर्फ भारी वजन उठाना या बड़ी मांसपेशियां बनाना नहीं है, बल्कि यह इस बात में निहित है कि आप अपने शरीर को कितनी अच्छी तरह से चला सकते हैं।

बिना बुलेटप्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया



था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं। प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं। इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद



दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। कार्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।

Trash Boom Interceptor To Be Installed In Ganga Ahead Of Ardh Kumbh 2027



Hardiwar,Agency: Trash boom interceptor to be installed in Ganga ahead of Ardh Kumbh 2027 A trash boom interceptor will be installed in the Ganga River in Haridwar ahead of the Ardh Kumbh 2027 to prevent solid waste from polluting the river, officials said.

Over 100 metric tonnes of waste were removed from the Ganga during the 18-day closure of the Upper Ganga Canal this year, the Haridwar district administration said.

The technology, currently being used in hydropower projects in Uttarakhand, will be deployed in the Ganga for the first time in the state. The interceptor will be a permanent installation and is proposed to be set up at Amrapur Ghat and Jatwara Ghat, officials added.

Nandan Kumar, commissioner for Haridwar Municipal Corporation, said a tender had been floated for the installation of the interceptor, which is expected to be operational before the Ardh Kumbh 2027.

The trash boom interceptor is a floating barrier which intercepts all kinds of waste disposed of in the river, like flowers, clothes, plastic waste and other solid items. The technology works in such a way that across the canal, a boom barrier is set up and the boom shifts the waste towards one of the banks. When the waste is accumulated near the bank, it is shifted to the conveyor belt," Kumar said.

This year, 32 organisations participated in a special cleanliness drive along the Ganga, involving more than 13,000 people. The waste collected during the drive was sent to the Haridwar Municipal Corporation for proper disposal. The district administration has also appealed to people to deposit discarded clothes and other waste materials at designated collection points instead of dumping them into the river, to help maintain its cleanliness and purity.

BJP Wins 77 Seats Of Five Tripura Civic Bodies Unopposed

Elections For Rest On November 27



Tripura,Agency: The BJP has won 77 seats in five civic bodies of Tripura unopposed following nomination filing and scrutiny of papers for the November 27 polls, an official said on Wednesday.

The deadline for nomination submission for election to 345 seats in 21 civic bodies in the state, including the Agartala Municipal Corporation, ended on November 7. The scrutiny of nomination papers was held on Tuesday.

Now, the voting will be held in 268 seats, which are set to witness a triangular fight among the BJP-led NDA, CPI(M) and the Congress.

State Election Commissioner (SEC), P K Chakravarty, said 810 candidates are in the fray for 268 seats of the civic bodies. Voting will be held on November 27, and counting is scheduled on December 3.

The BJP has the highest number of candidates at 342, while the CPI(M) and the Congress have 218 and 201 nominees, respectively, he said.

According to the state election commission, BJP won 77 seats of five civic bodies unopposed. These civic bodies were Mohanpur, Kamalpur, Jirania, Ranirbazar and Santirbazar.

Nights are getting colder in Rajasthan, while the day remains warm

Jaipur, November,Agency: The weather in Rajasthan has slowly begun to change. Minimum temperatures dropped in many cities on Tuesday. As the weather cleared in the hilly states, the northern winds blowing from there began to affect the plains. This has led to a drop in night temperatures and increased chill in the mornings and evenings. However, the sunshine remains hot during the day. Maximum temperatures, especially in many districts of western Rajasthan, remain between 35 and 38 degrees Celsius.

According to the Meteorological Department, clear skies are expected in the state for the next week. Due to the bright sunshine during the day, temperatures may rise slightly, while night temperatures are expected to drop further. The cold weather in the state may intensify after November 15.

Sikar was the coldest region in the state in the last 24 hours. The minimum temperature here was recorded at 12.5 degrees Celsius. Fatehpur recorded 12.7 degrees Celsius, Mount Abu 13.1 degrees Celsius, Nagaur 13.5 degrees Celsius, Sirohi 13.8 degrees Celsius, Bhilwara 14.4 degrees Celsius, and Udaipur 14.6 degrees Celsius.

Light fog and mist were also observed in some areas of Bharatpur, Karauli, Alwar, and Sriganganagar on Tuesday morning and evening. Despite a drop in night temperatures, there was no respite from the daytime heat.

Barmer was the hottest city in the state on Tuesday, with a maximum temperature of 37.8 degrees Celsius. Chittorgarh recorded 36 degrees Celsius, Jaisalmer 35.8 degrees Celsius, Pali 35.6 degrees Celsius, and Jodhpur 35.5 degrees Celsius. Dungarpur and Kota recorded 34.2 degrees Celsius, while Udaipur and Bhilwara recorded a maximum temperature of 34 degrees Celsius.

According to the Meteorological Center, Jaipur, the weather is expected to remain dry in the state for the next week.

Ayurvedic Wellness Center Ready in Mohanchatti, MLA Renu Bisht Inaugurates

Dehradun,Agency: An Ayurvedic Wellness Center has been developed at the Government Ayurvedic Hospital in Mohanchatti, Yamkeshwar area, with the addition of modern facilities. The hospital complex has been redesigned in the hilly architectural style, and construction of a high-tech yoga hall and Panchakarma rooms has been completed.

\medicinal properties and traditional uses. This will allow tourists to gain a closer understanding of local medicinal plants and experience a unique herbal experience.

Local MLA Renu Bisht, along with officials and public representatives, inspected the developed facilities and inaugurated the wellness center. She stated that this center will promote health, tourism, and local employment.

During a previous inspection of the hospital complex by District Magistrate Swati S. Bhadauria, Mohanchatti's natural beauty and favorable geographical location revealed vast potential for Ayurvedic and wellness tourism. It was essential to expand the necessary facilities and facilities to meet the needs of tourists and local residents. Keeping this in mind, the District Magistrate directed the hospital to submit a proposal for modernizing the hospital, developing yoga and Panchakarma facilities, and beautifying the campus in a hill style. In this regard, work on establishing an Ayurvedic Wellness Center in Gram Sabha Jogiana, Mohanchatti, under the District Plan, at a cost of ?71.61 lakh, was initiated on February 5, 2026. The Rural medicinal properties and traditional uses. This will allow tourists to gain a closer understanding of local medicinal plants and experience a unique herbal experience. Development Department, Kotdwar Block, has completed the approved construction work.

The yoga hall and Panchakarma rooms will provide facilities related to yoga, meditation, and traditional Ayurvedic treatments to local residents and tourists visiting the area.

The District Magistrate stated that under Panchakarma and Ayurvedic treatments, facilities such as Abhyanga, Swedana, Shirodhara, Marma Therapy, Agnikarma, and Cupping Therapy will also be provided. For this purpose, special treatment rooms, operation theaters, and Pancha karma medicinal properties and traditional uses. This will allow tourists to gain a closer understanding of local medicinal plants and experience a unique herbal experience. assistants have been arranged. These facilities will enable local residents and tourists to access various traditional Ayurvedic treatments under the supervision of expert doctors.medicinal properties and traditional uses. This will allow tourists to gain a closer understanding of local medicinal plants and experience a unique herbal experience.

The District Magistrate directed the concerned officials to ensure the proper operation of these facilities by ensuring the necessary equipment, cleanliness, seating, and other necessary arrangements in the yoga hall and panchakarma rooms. He also directed the development of the herbal garden in an attractive and systematic manner, so that it can become an important part of the Ayurvedic Wellness Center.

Located approximately 20 kilometers from Rishikesh, the Mohanchatti area attracts a large number of tourists. The Ayurvedic Wellness Center will benefit residents of the surrounding villages, as well as resort, camp, and homestay operators. A herbal garden is also being developed on the hospital campus. Various medicinal plants will be planted, displaying information about their medicinal properties and traditional uses. This will allow tourists to gain a closer understanding of local medicinal plants and experience a unique herbal experience.

Bal Vivah Mukt Bharat: Two Years Of Action Towards A Child-Marriage-Free India



New Delhi,Agency: Child marriage continues to be a major social challenge in India, affecting girls' health, education, safety and future opportunities. However, the country has made progress in reducing its prevalence. According to the National Family Health Survey (NFHS-6), 2023–24, 20.1% of women aged 20–24 years were married before the age of 18, compared with 23.3% in NFHS-5 (2019–21), marking a decline of 3.2 percentage points.

To accelerate this progress, the Ministry of Women and Child Development (MWCD) launched the Bal Vivah Mukt Bharat (BVMB) campaign on November 27, 2024, bringing together legal enforcement, public awareness, institutional coordination and community participation. As the campaign completes two years, its efforts are contributing to the national objective of making India child-marriage-free by 2030.

The campaign has conducted 6.85 lakh awareness programmes, reached 12.47 crore participants and registered 42.01 lakh pledges. Its approach combines the legal framework against child marriage with initiatives promoting girls' education, empowerment and community-level prevention.

Why is eliminating child marriage important?

Child marriage has consequences that extend beyond the early age at which a girl is married. It can expose girls to serious health risks, particularly those associated with early pregnancy, increase their vulnerability to domestic violence and interrupt their education.

The practice also restricts economic opportunities and reinforces cycles of poverty and gender inequality. Girls who leave school early often have fewer opportunities to acquire skills, pursue higher education or participate in the workforce.The decline in child marriage prevalence from 23.3% to 20.1% between NFHS-5 and NFHS-6 reflects progress, but the continued prevalence of the practice highlights the need for sustained intervention. India's response rests on three interconnected approaches: legal safeguards to prohibit and prevent child marriage, programmes that promote the survival, protection and education of girls, and community mobilisation to change social attitudes and encourage timely reporting.

The legal framework: Prohibition of Child Marriage Act, 2006

The Prohibition of Child Marriage Act (PCMA), 2006, provides the statutory foundation for preventing child marriage in India. It replaced the Child Marriage Restraint Act, 1929, commonly known as the Sarda Act, shifting the legal approach towards prohibition, stronger protection and relief for victims.

Who is considered a child under the Act?

A male who has not completed 21 years of age and a female who has not completed 18 years of age are considered children. A marriage in which either contracting party is a child falls within the definition of child marriage.

Legal status of child marriage

A child marriage is generally voidable at the option of the party who was a child at the time of marriage. That person can approach the District Court to have the marriage annulled, generally within two years of attaining majority.

The Act also specifies circumstances in which a child marriage is void, including cases involving trafficking, force, deceit or the use of a child for immoral purposes.

New AIIMS Record Over 6 Crore OPD Consultations, Expanding Access To Specialised Healthcare



New Delhi,Agency: The 18 fully functional new All India Institutes of Medical Sciences (AIIMS) established under the Pradhan Mantri Swasthya Suraksha Yojana (PMSSY) have collectively recorded approximately 6.01 crore Outpatient Department (OPD) consultations since 2021-22, reflecting the expanding reach of specialised tertiary healthcare across the country.

According to the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW), the institutions recorded more than 6 crore consultations over the five-year period up to October 31, 2026. The growing patient footfall highlights their increasing role in providing access to specialised medical services closer to people across different regions.

The Government has been expanding the AIIMS network under PMSSY to address regional disparities in the availability of affordable and reliable tertiary healthcare. The initiative also aims to strengthen medical education and research infrastructure alongside the delivery of specialised healthcare services.

Of the 22 new AIIMS approved in different phases under the scheme, 18 are now fully functional. These institutions provide a range of services, including outpatient and inpatient care, emergency and trauma services, diagnostic facilities, medical education and research.

OPD consultations rise steadily

The annual OPD figures indicate a substantial increase in the utilisation of services at the new AIIMS. Patient consultations rose from 50.03 lakh in 2021-22 to 77.95 lakh in 2022-23 and 100.52 lakh in 2023-24.

The number increased further to 129.98 lakh in 2024-25 and reached 144.96 lakh in 2025-26. During the current financial year 2026-27, the institutions recorded another 97.41 lakh OPD consultations up to October 2026.